CFM 24x7 COALFIELD MIRROR NEWS

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

शुभ प्रभात JUPITER FOUNDATION

कोलकाता | गुरुवार 20 फ़रवरी 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1288 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

कोयला मंत्रालय की ओर से कोलकाता में वाणिज्यिक कोयला खदान की नीलामी

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (पांडवेश्वर): कोयला मंत्रालय की ओर से कोलकाता में आयोजित वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोयला सचिव विक्रम देव दत् के अलावा अतिरिक्त सचिव और नामांकित प्राधिकारी रूपिंदर बराड़ ने कोयला क्षेत्र और वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी में अवसरों पर रोड शो में अपने स्वागत भाषण में कहा कि भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, उन्होंने पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल कोयला पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नीतिगत सुधारों ने कोयला ब्लॉक आवंटन को अधिक परिभाषित और पारदर्शी बना दिया है, सुव्यवस्थित नीलामी प्रक्रियाएं और सहायक पहल विकास के नए रास्ते खोल रही हैं, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रही हैं और भारत में कोयला खनन के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित कर रही हैं, उन्होंने स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी और कोयला गैसीकरण पर सरकार के जोर को भी रेखांकित किया,

उन्होंने निवेशकों और हितधारकों से इन अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए भारत के ऊर्जा परिदृश्य को आकार देने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया.

ममता बनर्जी के ब्यान पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से शिकायत

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (कोलकाता): पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एक बयान को लेकर राजनीतिक घमासान मच गया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने उनके बयान को 'धमकी' करार देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से शिकायत करने की बात कही है। इस बीच, भाजपा नेता एवं कलकत्ता हाई कोर्ट के वकील कौस्तव बागची ने राज्यपाल डॉक्टर सी.वी. आनंद बोस को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है।

मंगलवार को विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पर निशाना साधते हुए कहा, "आप एक विशेष समुदाय के खिलाफ इतनी ज्यादा बयानबाजी कर रहे हैं। अगर वे कभी आंदोलन के लिए खड़े हो गए, तो क्या आप उसे संभाल पाएंगे?"

भाजपा नेता कौस्तव बागची ने इस बयान का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए सवाल उठाया, "क्या मुख्यमंत्री विपक्ष के नेता को उग्रवादियों की ओर से धमकी दे रही हैं?" इसके बाद उन्होंने राज्यपाल को एक पत्र भेजकर इस मामले में दखल देने की मांग की।

मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद शुभेंदु अधिकारी ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री कह रही हैं कि अगर एक विशेष समुदाय के लोग मेरे खिलाफ एकजुट हो गए तो क्या होगा? मैं इस बयान के वीडियो क्लिपिंग के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करूंगा। मुझे कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद सुरक्षा दी गई है। मैं हाई कोर्ट भी जाऊंगा और मांग करूंगा कि मुख्यमंत्री को इस तरह के भड़काऊ बयान देने से रोका जाए।"

इस पूरे विवाद के बीच, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और भाजपा के तीन अन्य विधायकों को सोमवार को विधानसभा में कथित रूप से 'अशोभनीय आचरण' के चलते एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारी ने कहा, "चूंकि मैं भाजपा से हूं, इसलिए मुझे निलंबित किया गया। जब वाममोर्चा या कांग्रेस विविपक्ष में थे, तब ऐसा कभी नहीं हुआ।"

तीन दिवसीय झुमुर गीत कार्यशाला एवं कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (पुरुलिया): पश्चिम बंगाल सरकार के लोक संस्कृति एवं जनजातीय संस्कृति प्रचार केंद्र द्वारा आयोजित तथा सूचना एवं संस्कृति विभाग की देखरेख में तीन दिवसीय झुमुर गीत कार्यशाला एवं कार्यक्रम पुरुलिया के रवींद्र भवन में बुधवार को शुरू हुआ। जहां पुरुलिया के अलावा बांकुड़ा, झारग्राम और पश्चिमी मिदनापुर के कलाकार इस कार्यशाला में भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पुरुलिया जिला परिषद अध्यक्ष निवेदिता महतो, पुरुलिया जिला परिषद निर्माण कर्माध्यक्ष हंसेश्वर महतो, जिला परिषद के अन्य सदस्यों और जिला प्रशासन के अन्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष निवेदिता महतो ने कहा कि आज झुमुर कलाकारों के साथ आयोजित कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य है कि इस झुमुर को और अधिक सुंदर कैसे बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन लुप्त हो रही लोक सांस्कृतिक परंपराओं के महत्व पर जोर दिया है और राज्य के बाहर उन्हें और अधिक प्रसिद्धि दिलाने में मदद करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रही हैं।

अतः आज की कार्यशाला में लगभग 100 कलाकारों को शामिल किया गया है। कार्यशाला में आये सभी लोग प्रतिभाशाली एवं मेहनती हैं। हम सभी चाहते हैं कि आप सभी इस कार्यशाला से कुछ और अनुभव प्राप्त करें और इस झुमुर गीत को और भी सुंदर बनाएं, यही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (पुरुलिया): पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष रामानुज गंगोपाध्याय ने माध्यमिक परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों की जांच करने के लिए पुरुलिया शहर के राजकीय उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय, पुरुलिया जिला स्कूल और नेताजी स्कूल समेत कई परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने कुल दस परीक्षा केंद्रों के साथ-साथ रघुनाथपुर शहर के दो परीक्षा केंद्रों का भी दौरा किया।

मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षा सुचारू रूप से चल रही है, सब कुछ पहले से तैयार कर लिया गया है। पत्रकारों के आगे के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि जिले के कांटाडी स्कूल का परीक्षा केंद्र 15 किलोमीटर दूर पुरुलिया शहर में है। इस सवाल के जवाब में कि क्या परीक्षार्थियों को कुछ दिक्कतें आ रही हैं, उन्होंने कहा, "मामला जानकारी में नहीं है।"उन्होंने यह भी कहा कि वे पूछताछ करेंगे, लेकिन बस की व्यवस्था कर दी गई है। बोर्ड अध्यक्ष रामानुज गंगोपाध्याय के साथ पुरुलिया जिला माध्यमिक परीक्षा संयोजक डॉ. सोमनाथ कुइरी व अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

एआईयूटीयूसी ने विरोध प्रदर्शन किया तथा बजट की प्रतियां जलाईं

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (कोलकाता): एआईयूटीयूसी ने श्रमिक हितों के खिलाफ 4 काले श्रम संहिताओं को निरस्त करने तथा केन्द्र व राज्य बजट में नियोक्ताओं के हित में उठाए गए कदमों के खिलाफ आयकर भवन के सामने विरोध प्रदर्शन किया तथा बजट की प्रतियां जलाईं। एआईयूटीयूसी के राज्य सचिव अशोक दास ने बजट की प्रति को आग के हवाले कर दिया। अशोक दास ने कहा कि केंद्र सरकार जनमत की अनदेखी कर श्रम संहिता लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सभी कामकाजी लोगों से श्रम संहिता लागू करने के प्रयास के खिलाफ एकजुट और मजबूत आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

कानूनी जागरूकता से हासिल करें हर अधिकार

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (खड़गपुर): झाड़ग्राम जिला अंतर्गत गोपीबल्लभपुर डिग्री कॉलेज की पहल के तहत बेलियाबेड़ा कॉलेज में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसे झाड़ग्राम जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित किया गया था। झाड़ग्राम डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी की सेक्रेटरी व विचारक सुक्ति सरकार ने रैगिंग, महिलाओं की तस्करी, बाल विवाह के भयानक पहलुओं और घरेलू जीवन में महिलाओं पर हिंसा के बारे में कानूनी जागरूकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। आईपीएस आलोक कुमार ने साइबर क्राइम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जन समूह को आगाह किया कि ऐसेखतरों से कैसे बचा जा सकता है। ऑफिस मास्टर सुब्रत बारिक ने छात्रों को मुफ्त सेवा और लोक अदालत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। ब्लॉक की "अधिकार मित्र" रीता दास दत्ता ने यातायात कानून के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। कॉलेज के प्रिंसिपल, सुचाँद किस्कू ने छात्रों को जागरूकता शिविर के महत्व से अवगत कराया। शिविर में शिक्षकों सहित लगभग 150 छात्र- छात्राएँ शिविर में मौजूद थे।

सिल्वर मैडल हासिल करने वाली टाईकोंडो गर्ल को आरएनएसएस ने किया सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (नियामतपुर): दिशरगढ़ पूर्वांचल निवासी रवि प्रसाद चौहान और निशा चौहान की पुत्री रमा चौहान ने फोर्टी नेशनल सीनियर क्योरोगी टाईकोंडो प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है.

उक्त प्रतियोगिता बीते महीने 27 से 30 जनवरी को हैदराबाद स्थित कोटला विजय भाष्कर रेड्डी इनडोर स्टेडियम सेवेंथ नेशनल केडेट क्योरोगी पुम्से टाईकोंडो प्रतियोगिता के तहे आयोजित हुई थी.

रमा की इस काबिलियत को देखते हुए रचनात्मक नोनिया संघ संयुक्त संघ (आरएनएसएस) द्वारा उसके निवास में जाकर सम्मानित किया गया. इस दौरान आरएनएसएस के राज्य मीडिया सह-प्रभारी कमलजीत नोनिया, पूर्व मीडिया प्रभारी जीतेंद्र नोनिया, जिला सदस्य नवीन चौहान, राकेश कुमार प्रसाद, दशरथ नोनिया, करण कुमार इत्यादि मौजूद रहे.

कमलजीत नोनिया ने बताया कि रमा चौहान के बारे में सुनकर काफी अच्छा महसूस हुआ और ये पुरे कुल्टी वासियों के लिए भी गर्व की बात है. उन्होंने बताया कि इससे पहले आसनसोल दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पाल भी रमा को सम्मानित कर चुकी है.

रमा ने बताया कि मेरी इस उपलब्धि के पीछे मेरे माता- पिता और प्रशिक्षिक का महत्वपूर्ण योगदान है. उसने बताया कि आगे चलकर मैं इस क्षेत्र में और भी बेहतर करना चाहूंगी.

निजी कोयला खनन कम्पनी के खिलाफ ग्रामीण हुए लामबंद, लगाए गंभीर आरोप

संजीत मोदी

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (रानीगंज): पश्चिम बंगाल का कोयलांचल क्षेत्र रानीगंज, इस इलाके का कोयला सर्वोत्तम माना जाता है। जहां प्रतिदिन पूरे इलाके में हजारों टन कोयले का उत्पादन होता है। कोल इंडिया द्वारा बंद कोयला खदान क्षेत्र जहां अभी भी कोयले का भंडार उपलब्ध है, वहां से कोयला निकालने के लिए निजी कंपनीयों को ठेका दिया जा रहा है। निजी कंपनियों के ऊपर इलाके के लोग आरोप लगाते हैं कि निजी कंपनी मनमाने ढंग से कोयला निकालकर इलाके को मरुस्थल बना देते हैं। जिसका खामियाज़ा स्थानीय ग्रामीणों को भुगतना पड़ता है।

इसी क्रम में ईसीएल के सातग्राम श्रीपुर एरिया इलाके के क्वार्डी कोलियरी इलाके में कोल इंडिया द्वारा कोयला खनन के लिए खुले खदान का एक प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है, जिसका ठेका रश्मि ग्रुप एंड कंपनी के कलिंगा मेटालिक्स को दिया गया है। कंपनी ने कार्य आरम्भ करते हुए जमीन अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस दौरान कंपनी द्वारा जंगलों को काटा जा रहा है, जिसमें कई बड़े-बड़े हरे पेड़ भी शामिल हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्या पेड़ों को काटने के लिए कंपनी ने वन विभाग से एनओसी नहीं लिया है? इसके अलावे ग्रामीणों की जमीन भी ली जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी उनके ऊपर दबाव डाल रही है, जिससे ग्रामीण औने-पौने दाम मे अपनी जमीन बेच रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी द्वारा कभी भी आम सभा आयोजित कर ग्रामीणों से कोई चर्चा नही की गई है। जिससे ग्रामीणों मे आक्रोश है।

दो महीने पहले चेलोद, क्वार्डी, कुमारडीहा ग्राम बचाओ समिति के बैनर तले जोरदार आंदोलन किया गया था, लेकिन ग्रामीणों के द्वारा उठाए गए मुद्दे पर कोई चर्चा नही की। कलिंगा मेटलिक्स के पदाधिकारी मनमाने ढंग से हरे भरे पेड़ को काट रहे हैं, सत्ताधारी दल के प्रभावशाली नेता का सहयोग लेकर लोगों मे भ्रम फैलाया जा रहा है, ग्रामीण को आपस मे लड़ाया जा रहा है और दलाल के माध्यम से जमीन मालिक से बात कर अधिग्रहण किया जा रहा है. कम्पनी भोलेभाले ग्रामीण के उपर शिकायत दर्ज कर डरा रही है। कुछ दिन पहले कलिगां मेटलिक्स के द्वारा सरकारी काम में बाधा देने के आरोप पर ग्रामीणों के उपर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिससे ग्रामीण क्षुब्ध होकर संस्थान के गेट पर धरना प्रदर्शन करने लगे।

ग्रामीणों के तरफ से बुधन केसरी, सीताराम राय, परितोष माजी, समाप्ती पांजा, धनंजय तिवारी नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान परितोष माजी ने बताया कि हमने जिसे अपने वोट से जिताया वो आज हमारे विरुद्ध निजी संस्था से हाथ मिला लिया है और हमारे खिलाफ होकर कंपनी को संरक्षण दे रहा है ऐसे लोगों से हमे सावधान होने की जरुरत है।

सीताराम राय ने बताया कि कलिगां मेटलिक्स के द्वारा कुमारडीहा ग्राम के जंगलों में बिना वन विभाग के अनुमति के पेड़ काटा जा रहा है। यह अन्यायपूर्ण है, कम्पनी के पास वन विभाग के द्वारा कोई अनापत्ति प्रमाणपत्र नही दिया गया है।

ग्रामीणों के आक्रोश के बाद कम्पनी के पदाधिकारी रितेश बजाज के साथ बैठक की गई, जिसमे ग्रामीणों ने दस मांगे रखी, जिस पर 24 फरवरी तक समय दी गई, कम्पनी के उच्च स्तरीय वार्ता के बाद धरना प्रदर्शन को खत्म किया गया।

पश्चिम बंगाल कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन की ओर से 60वां वार्षिक आम बैठक का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (कोलकाता): पश्चिम बंगाल कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन, पूरे बंगाल में कोल्ड स्टोरेज का एकमात्र सक्रिय एसोसिएशन है। संगठन की ओर से 60वां वार्षिक आम बैठक का आयोजन कोलकाता के स्वभूमि हेरिटेज में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों में सुनील कुमार राणा, (अध्यक्ष, डब्लूबीसीएसए), सुभाजीत साहा (उपाध्यक्ष, डब्लूबीसीएसए), राजेश कुमार बंसल (पूर्व अध्यक्ष, डब्लूबीसीएसए), पतित पावन दे, तरुण कांति घोष, गोबिंद कजारिया (पूर्व अध्यक्ष, डब्लूबीसीएसए), दिलीप चटर्जी, कौशिक कुंडू, प्रदीप लोढ़ा (डब्लूबीसीएसए के जिला समितियों के अध्यक्ष) के साथ समाज में कई अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति इस मौके पर शामिल थे।

पश्चिम बंगाल कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार राणा ने कहा, आलू उत्पादकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। चालू सीजन में लगभग 5.10 लाख हेक्टेयर भूमि पर आलू की खेती की गई है। उन्होंने चालू सीजन में लगभग 135-140 लाख टन आलू उत्पादन का अनुमान लगाया। पश्चिम बंगाल में घरेलू खपत 65 लाख टन है, शेष स्टॉक को राज्य के बाहर विपणन करने की आवश्यकता है। बाजार में आलू की स्थिर कीमत और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे अनलोडिंग अवधि के दौरान प्रत्येक माह 12% की एक समान दर पर संग्रहीत स्टॉक को जारी करने के लिए एक प्रणाली तैयार करें। उन्होंने आवश्यक कार्य योजना तैयार करने और वास्तविक समय के आधार पर स्टॉक की स्थिति की निगरानी के लिए खेती, कटाई, भंडारण और विपणन पर अखिल भारतीय व्यापक डेटा के संग्रह और विश्लेषण की सिफारिश की।

किसानों को उचित ग्रेडिंग, इलाज और वर्गीकरण बनाए रखने के लिए सरकारी पहल का सुझाव दिया गया। चूंकि नवंबर से आगे भंडारण अवधि का विस्तार लगभग हर साल आम अनुभव बन गया है, इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि विस्तारित भंडारण अवधि के लिए अतिरिक्त किराए की मात्रा को आवधिक किराया संशोधन के लिए अधिसूचना में शामिल किया जाना चाहिए। कोल्ड स्टोरेज के लिए इनपुट लागत और पूंजी की लागत में आवधिक वृद्धि को देखते हुए, अन्य आलू उत्पादक राज्यों में किराए के बराबर कोल्ड स्टोरेज किराया बढ़ाने की मांग इस कार्यक्रम में की गई।

जिसमें वर्तमान दर 230 रुपए से 270/- रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण और उत्तर बंगाल के लिए कोल्ड स्टोरेज का किराया क्रमशः 190 रुपये और 194 रुपये करने की विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के बावजूद सरकार द्वारा कोल्ड स्टोरेज का किराया संशोधित नहीं किया गया। पिछले 4 वर्षों से किराया 168 रुपये और 172 रुपये है।

उन्होंने आशंका जताई कि आगामी सीजन में कोल्ड स्टोरेज का संचालन बाधित हो सकता है, क्योंकि स्टोर मालिक वर्तमान किराया ढांचे के साथ अपनी इकाइयों को संचालित करने के लिए तैयार नहीं हैं। इस कारण से 150 से अधिक कोल्ड स्टोरेज बैंक में एनपीए हैं। उन्होंने यह सुझाव दिया कि कोल्ड स्टोरेज किराया गणना 100% भंडारण क्षमता के बजाय 85% भंडारण क्षमता पर आधारित होनी चाहिए, क्योंकि 100% क्षमता का उपयोग शायद ही कभी किया जाता है। सरकार को उनके संगठन द्वारा किए गए मांग पर जल्द विचार करने का अनुरोध किया गया है।

कुत्ता मुंह में लेकर घूम रहा था नवजात बच्ची का शव

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (रानीगंज): वार्ड संख्या 93 स्थित स्कूल मोड़ से राजपाड़ा जाने वाले रास्ते में नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बुधवार की सुबह सड़क पर एक नवजात बच्ची का शव कुत्ते के मुंह में देख राहगीरों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तुरंत कुत्ते को भगाया, जिसके बाद उसने बच्ची का शव वहीं छोड़ दिया और भाग गया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही रानीगंज थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और नवजात शिशु के शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को आसनसोल जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

स्थानीय लोगों का मानना है कि हो सकता है किसी अस्पताल या नर्सिंग होम में मृत जन्म होने के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने की बजाय सड़क पर छोड़ दिया होगा। वही पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नवजात का शव डस्टबिन में कैसे पहुंचा। पुलिस आसपास के घरों से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि इस घटना की सच्चाई सामनेआ सके।

वही इस अमानवीय घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हैं और वे दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर यह किसी परिवार की मजबूरी थी, तब भी बच्ची का सही तरीके से अंतिम संस्कार किया जाना चाहिए था।

ग्रीन स्टील कोर्स के तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने किया आईएसपी का दौरा

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (बर्नपुर): इस्को स्टील प्लांट के मानव संसाधन- लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग ने ग्रीन स्टील पर पांच दिवसीय पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया। भारत-ऑस्ट्रेलिया मिनरल स्कॉलर नेटवर्क कार्यक्रम (IAMSN) के तहत डीएसपी और आईएसपी के सहयोग से एनआईटी दुर्गापुर द्वारा आयोजित यह पाठ्यक्रम, ग्रीन स्टील बनाने के क्षेत्र में नवीनतम वैश्विक विकास और अनुसंधान पहलुओं पर केंद्रित है।

विभिन्न आगंतुक समूहों में प्रोफेसर जेफ्री एलन ब्रूक्स, स्विनबर्न विश्वविद्यालय, कीथ रिचर्ड विनिंग, निदेशक जीएस IAMSN, सीएसआईआरओ ऑस्ट्रेलिया, दिब्येंदु सेनगुप्ता, सीजीएम (सुरक्षा और एफएस) डीएसपी, डॉ. अरूप कुमार मंडल- सहायक प्रोफेसर एनआईटी दुर्गापुर, विभिन्न निगमों के प्रतिनिधि, पीएचडी विद्वान, एम.टेक और बी.टेक के छात्र शामिल थे।

दौरे की शुरुआत ईडी (वर्क्स) कॉन्फ्रेंस रूम में ईडी (वर्क्स) दीप्तेंदु घोष के साथ एक सत्र के साथ हुई। मेहमानों और प्रतिभागियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, ईडी (वर्क्स) ने इस्को की विस्तार योजना, कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और ग्रीन स्टील पर ध्यान केंद्रित करने संबंधी गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नवाचार और विकास के क्षेत्र में उद्योग-अकादमिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। बातचीत सत्र के दौरान विभिन्न विभागों के सीजीएम सहित वरिष्ठ आईएसपी अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रोफेसर ब्रूक्स और श्री विनिंग ने इस्पात उत्पादन और ग्रीन स्टील पर अपने विचार साझा किए और उद्योग के भविष्य के लिए अपनी अपेक्षाओं को रेखांकित किया। आगंतुकों को पीपीसी विभाग से आईएसपी का अवलोकन और सुरक्षा विभाग से सुरक्षा ब्रीफिंग देनेके उपरांत प्रतिनिधिमंडल को सिंटर प्लांट, ब्लास्ट फर्नेस और एसएमएस क्षेत्रों में ले जाया गया, जहाँ उन्होंने उत्पादन प्रक्रियाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

दौरे के समापन सत्र के दौरान, प्रोफेसर जेफ्री एलन ब्रूक्स, स्विनबर्न विश्वविद्यालय ने इस्पात निर्माण पर अपने विचार साझा किए और शॉप फ्लोर अधिकारियों के साथ बातचीत की प्रशंसा की। कीथ रिचर्ड विनिंग, निदेशक जीएस IAMSN ने आईएसपी में सुरक्षा संस्कृति की सराहना करते हुए इस दौरे को सराहा|

ईसीएल सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र के नए महाप्रबंधक से मिला एचएमएस का प्रतिनिधि मंडल

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (पांडवेश्वर): सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र का महाप्रबंधक के रूप में पदभार संभालने के बाद रोबिन थूनोजा ने पहली बार क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार कमेटी का बैठक बुलाकर सभी मजदूर संगठनों के नेताओ से परिचय प्राप्त करने के बाद अपनी मिशन से अवगत कराया और सभी के सहयोग से क्षेत्र को कोयला उत्पादन में आगे ले जाने की बात कही,

संयुक्त सलाहकार बैठक के बाद केंद्रीय मजदूर संगठन एचएमएस के क्षेत्रीय सचिव चुन्नू तिवारी के नेतृत्व में एचएमएस प्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया और कहा कि सातग्राम श्रीपुर क्षेत्र का विकास और कोयला उत्पादन में आगे ले जाने में एचएमएस प्रबंधन के साथ देगा, लेकिन श्रमिक हितों को लेकर अपनी मांग को रखने का कार्य करता रहेगा,

मालूम हो की पांडवेश्वर क्षेत्र में एजीएम के रूप में कार्य करने वाले रोबिन थूनोजा एक कर्मठ अधिकारी होने के साथ मृदभाषी व्यक्ति और माइनिंग के अनुभवी अधिकारी भी हैं,

लाखों रूपये के ठगी के मामले मे तृणमूल के पूर्व पार्षद और उनके बेटे गिरफ्तार, भाजपा ने लगाए चोर-चोर के नारे

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (दुर्गापुर): तृणमूल कांग्रेस के पूर्व पार्षद मानस रॉय और उनके बेटे अभ्रनिल रॉय को दुर्गापुर पुलिस ने आर्थिक धोखाधड़ी के आरोप में मंगलवार रात को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी दुर्गापुर नगर निगम के 32 नंबर वार्ड के पूर्व पार्षद पर लगे मोबाइल ईएमआई, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड सहित लाखों रुपये की हेराफेरी के आरोपों के आधार पर हुई।

वहीं पूर्व तृणमूल कांग्रेस पार्षद मानस राय और उनके बेटे की गिरफ्तारी को लेकर दुर्गापुर शिल्पांचल में राजनीतिक घमासान मच गया है।

इस मुद्दे पर एक तरफ जहां बीजेपी द्वारा तृणमूल कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इस पूरे मामले से अपना पल्ला झाड़ लिया है।

बुधवार को पूर्व पार्षद मानस राय और उनके बेटे अभ्रनिल राय को जब दुर्गापुर महकमा अदालत में पेश किया गया तो बीजेपी द्वारा प्रदर्शन किया गया। इतना ही नहीं पुलिस जैसे ही मानस राय और उनके बेटे को लेकर कोर्ट में पहुंची तो यहां पहले से प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने मानस राय और उनके बेटे को देखकर हाथों में जूता लेकर चोर-चोर के नारे लगाने लगे। इसे लेकर कोर्ट परिसर में भारी गहमागहमी का माहौल रहा। हालांकि पुलिस ने किसी प्रकार मानस राय और उनके बेटे को यहां से सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला और कोर्ट में ले गई।

सूत्रों के अनुसार, मानस रॉय दुर्गापुर नगर निगम के 32 नंबर वार्ड से 2017-2022 तक पार्षद थे. इस दौरान मानस रॉय और उनके बेटे पर आरोप है कि उन्होंने कई लोगों को धोखा देकर लाखों रुपये की ठगी की। वही पूर्व पार्षद मानस रॉय और उनके बेटे की गिरफ्तारी के बाद दुर्गापुर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

विपक्षी दलों का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस से जुड़े नेता लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जा रहे हैं, वही तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहां कि क़ानून अपना काम कर रहा है।

इस गिरफ्तारी को लेकर आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसी ईस्ट अभिषेक गुप्ता ने पुष्टि की कि जांच के बाद ठोस सबूत मिलने पर ही दोनों की गिरफ्तारी हुई और आगे की पूछताछ जारी है, इसके साथ पुलिस अन्य पीड़ितों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता चल सके कि कितने और लोग इस ठगी का शिकार हुए हैं। इस मामले ने दुर्गापुर में हलचल मचा दी है, और अब देखना होगा कि आगे जांच में और क्या खुलासे होते हैं।

जल जीवन मिशन परियोजना के तहत 500 करोड़ रुपए बकाया, जलापूर्ति पर पड़ सकता है भारी असर

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (आसनसोल): पीएचई वेलफेयर कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन की तरफ से इस्माइल में एक प्रेस मीट का आयोजन किया गया. इसमें पीएचई विभाग के साथ जो ठेकेदार जुड़कर जलापूर्ति का काम करते हैं. ऐसे ठेकेदारों ने संवाददाताओं को संबोधित किया।

मृत्युंजय मुखर्जी, दिलीप समेत अन्य का कहना है कि पिछले साल अगस्त महीने से इनको इनका बकाया भुगतान नहीं मिला है. उन्होंने कहा कि यह राशि इस जिले में 500 करोड रुपए के आसपास है जो अभी भी बकाया है. इस वजह से यह अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं. ऐसे में अगर भविष्य में कर्मचारी हड़ताल पर चले गए तो इस क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पर भारी असर पड़ेगा. उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन परियोजना के तहत केंद्र सरकार के इस परियोजना में राज्य सरकार की भी हिस्सेदारी रहती है, लेकिन न केंद्र सरकार न राज्य सरकार कहीं से भी ठेकेदारों को पैसा नहीं मिल रहा है.

इस वजह से यह न केवल अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं बल्कि जो नए कार्य हैं वह भी नहीं कर पा रहे हैं उन्होंने कहा कि वह पानी की आपूर्ति बंद नहीं करना चाहते पानी एक बहुत महत्वपूर्ण चीज है वह इसे बंद नहीं करना चाहते लेकिन अगर ठेकेदारों को पैसा नहीं मिलेगा तो वह किस तरह से अपने कार्य कर पाएंगे यह भी सोचने वाली बात है इनका कहना है कि जल जीवन मिशन परियोजना केंद्र सरकार की परियोजना है राज्य सरकार का इसमें शेयर रहता है। ऐसे में वह किसी राजनीतिक बयानबाजी में नहीं जाना चाहते ठेकेदारों को सिर्फ अपने पैसे मिल जाए इतना ही वह चाहते हैं उन्होंने कहा कि तकरीबन 200 ऐसे ठेकेदार हैं जिनका पैसा बाकी है वहीं लाइन बिछाने के लिए इन ठेकेदारों द्वारा रास्तों की खुदाई की गई थी उन ठेकेदारों ने रास्तों की मरम्मत भी की थी इन्होंने बताया की मरम्मत के लिए जो पैसा ठेकेदारों को देने की बात थी वह भी नहीं मिला ऐसे में ठेकेदारों को काम करते रहना बहुत मुश्किल हो रहा है

वही इस बारे में जब हमने पीएचई विभाग के अस्सिटेंट इंजीनियर संदीप कुमार कुंडू से बात की तो उन्होंने कहा कि यह सच्चाई है कि ठेकेदारों का पैसा बाकी है और इस वजह से ठेका कर्मचारियों को भी वेतन नहीं मिल रहा है उन्होंने कहा कि किस वजह से पैसा नहीं आ रहा है वह यह नहीं बता पाएंगे क्योंकि वह इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के कर्मचारी हैं यह वित्त विभाग का मसला है लेकिन यह सच्चाई है कि पैसे की कमी है जिस वजह से यह समस्या उत्पन्न हुई है उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन परियोजना केंद्र सरकार की परियोजना है और इसमें राज्य सरकार की भी हिस्सेदारी रहती है ऐसे में किस वजह से पैसा नहीं आ रहा है इसके बारे में वह स्पष्ट तरीके से कुछ भी नहीं कह सकते

लेकिन उन्होंने इस बात की आशंका जरूर जाता है कि अगर बकाया राशि की वजह से ठेका कर्मचारियों ने हड़ताल का रास्ता अपनाया तो जलापूर्ति पर प्रतिकूल असर जरूर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनके जिले में जल जीवन मिशन परियोजना के तहत 68% काम पूरा हो चुका है बाकी का काम पूरा होने पर चार ब्लॉक में पानी की आपूर्ति सही ढंग से हो जाएगी लेकिन फिलहाल पैसों के अभाव में समस्या उत्पन्न हुई है और इसके बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत भी कर दिया गया है.

माकपा द्वारा नियामतपुर फाड़ी में ज्ञापन दिया गया

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (नियामतपुर): बुधवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीएम की कुल्टी-1 एरिया कमेटी ने कुल्टी थाने के नियामतपुर फाड़ी में बढ़ती अपराधिक घटनाओं को लेकर ज्ञापन दिया। इससे पहले एक जुलूस निकाला गया। इस अवसर पर आसनसोल के पूर्व सांसद बंसगोपाल चौधरी, राज्य नेत्री मीनाक्षी मुखर्जी, क्षेत्र समिति के सचिव देव आनंद प्रसाद और कुल्टी-1 क्षेत्र समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

मीनाक्षी मुखर्जी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध नशीली दवाओं और मादक पदार्थों का बड़े पैमाने पर व्यापार होता है साथ ही नगर पालिका रोड को सीतारामपुर स्टेशन रोड से जोड़ने वाली सड़क पर रात के अंधेरे में या अहले सुबह में यात्रा करने वाली महिलाओं के साथ छेड़छाड़, उत्पीड़न की घटनाएं होती हैं, इन घटनाओं की मौखिक सूचना पुलिस को दी गई है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि लछीपुर रेड लाइट एरिया से जुड़े दलालों का प्रभाव नागरिक क्षेत्र में चरम पर पहुंच गया है। रात के अंधेरे में सीतारामपुर रेलवे स्टेशन से लेकर नियामतपुर बस स्टैंड तक का पूरा इलाका बिना किसी लिखित अनुमति के इनके कब्जे में है। आम लोगों और इलाके में रहने वाले लोगों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बंसगोपाल चौधरी और मीनाक्षी मुखर्जी ने कहा कि नियामतपुर इलाके में असामाजिक गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं। अपराधियों का मनोबल भी बढ़ गई है। यहां कोई सुरक्षित नहीं है, खासकर सुबह और शाम सड़कों पर निकलने वाली महिलाओं के लिए स्थिति सही नहीं रह गई है।

उन्होंने कहा कि पुलिस का काम अब तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से पैसा इकट्ठा करना और उन्हें कोलकाता भेजना है।

आज हमने पुलिस प्रशासन को इन चीजों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए ज्ञापन दिया है। अगर इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

छाई लदी वाहनों के चलने और इनसे हो रही प्रदूषण से कब मिलेगा छुटकारा

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (नियामतपुर): ठंढ के मौसम के बाद गर्मियों में भी लोगों को सड़कों पर उड़ते धूल और हो रहे प्रदूषण से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। वही स्थितियां अब भी बरकरार हैं।

जानकारों का कहना है कि पहले भी वाहनों पर भीगी हुई सफेद राख लादकर ले जाया जा रहा था जो रास्ते में जहां तहां गिरकर सुख कर वाहनों के आवागमन से उड़कर लोगों की आंखों में पड़कर तकलीफें और सांस लेने में कठिनाइयां दिया करता था। जबकि कारखानों से वाहनों पर लादकर ले जाई जा रही सुखी छाई भी रास्तों में गिरकर भारी प्रदूषण उत्पन्न करता है।

इधर रास्तों की खराब अवस्था भी कम पीड़ादायक नहीं है। इन उबर खाबड़ रास्तों से गुजरने वाले वाहन एक अजीबो गरीब आवाज के साथ काफी धूल उड़ाते गुजरते हैं। फिलहाल देखा जा सकता है कि इन रास्तों पर चिप्पी लगाकर मरम्मत की कोशिश की जा रही है। लोगों के अनुसार यह और भी खतरनाक स्थिति है। ऐसे रास्तों से आवागमन स्मूथ नहीं होता बल्कि इनसे होकर वाहनों का आवागमन और भी झटकेदार और धूल उत्प्रेरक का काम करता है।

उल्लेखनीय है कि छाई लदी वाहनों के चलने और इनसे हो रही प्रदूषण को लेकर कई बार आवाजें उठाई गई लेकिन प्रशासन के तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिससे आसार ये बनते हैं कि ठंढ तो सारी प्रदूषण झेलते बीत गई अब गर्मी भी यूं भी गुजर जाएगी।

हांलाकि हाल ही में कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस सेवादल द्वारा बड़े कदम उठाए जाने की चेतावनी दी गई है। अब देखना है कि सरकार द्वारा कोई कार्रवाई की जाती है या नहीं।

शिव के माथे पर बिराजमान नाग देवता को देखने उमड़ी लोगों की भीड़

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (रानीगंज): शिव के माथे पर बिराजमान नाग देवता एक घर में प्रवेश करने पर उन्हें देखने के लिए उमड़ी लोगों की भीड़, उस नाग देवता का किया जा रहा है, पुजा अर्चना, यह घटना जामुड़िया विधानसभा क्षेत्र के बोरों एक अन्तर्गत वार्ड संख्या एक इलाके में स्थित रुईदास पाड़ा छोरा आमबगान की है. जहाँ नारायणी सेवा करने वाले अशोक रूईदास एवं मिठु रुईदास के घर में यह चमत्कार देखने को मिला।

इस बारे में एक नंबर वार्ड के निवासी और टीएमसी नेता नकुल रुईदास ने बताया कि मिठु रुईदास और उनके पति अशोक रुईदास यहां पर लंबे समय से नारायण सेवा करते रहे हैं, उनको नारायण द्वारा सपने में आदेश मिला था और वह यह पूरी श्रद्धा के साथ किया करती थी, फिर उनको नाग भगवान से सपने में आदेश मिला कि वह उनके घर आ रहे हैं और वह चाहते हैं कि उनकी सेवा की जाए, पहले तो उन्होंने सोचा कि यह सिर्फ एक सपना है, लेकिन जिस रात को उन्होंने सपना देखा था, उसके अगले दिन एक नाग भगवान ठीक उनके घर में आ गए और अब रुईदास परिवार द्वारा उनकी सेवा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा चमत्कार है और आज के वैज्ञानिक युग में लोग इसे भले न माने लेकिन उन्होंने इसे प्रत्यक्ष किया है। उन्होंने कहा कि नाग भगवान ने 3 घंटे तक उनके घर में इंतजार किया, लेकिन उन्होंने किसी को कोई हानि नहीं पहुंचाई.

वहीं मिठु रुईदास ने कहा कि नाग भगवान उनके सपने में आए थे और उन्होंने आदेश दिया था कि वह आज उनके घर में आ रहे हैं और आज सवेरे भगवान उनके घर में आ गए उन्होंने कहा कि यह भगवान की अलौकिक अनुकंपा है।

श्री श्री शिवशक्ति महायज्ञ को ले निकली नगर भ्रमण यात्रा

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (पांडवेश्वर): मां पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हो रहे नौ दिवसीय श्री श्री शिवशक्ति महायज्ञ को लेकर डालुरबांध आमबागान से बुधवार को गाजे बाजे के मंत्रोच्चारण के साथ नगर भ्रमण निकली गई, इस अवसर पर भक्तों का गजब का उत्साह देखने को मिला हर हर देव महादेव और जय श्री राम की उदघोष से इलाका गूंज रहा था,

महायज्ञ कमेटी के सचिव सह टीएमसी नेता संतोष पासवान ने बताया की इस नौ दिवसीय महायज्ञ में भक्त श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है, आज माता पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर भ्रमण निकाला गया, संध्या समय प्रसिद्द कथावाचक कृष्णप्रिया जी का शिव महापुराण की कथा चल रही है, संत सीतारामदास जी महाराज की देखरेख में महायज्ञ का आयोजन किया जा है,

शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ प्रदर्शन करना महिलाओ को पड़ रहा भारी

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (कांकसा): शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। घटना पानागढ़ बाजार स्थित रेल कॉलोनी झुपरीपाड़ा इलाके में घटी।

स्थानीय रेखा बाउरी ने आरोप लगाया है कि उनके क्षेत्र में कई लोग लंबे समय से अवैध रूप से देशी व विदेशी शराब बेच रहे हैं। परिणामस्वरूप क्षेत्र का परिवेश नष्ट हो रहा है तथा क्षेत्र के पुरुष दिनभर नशे में रहते हैं। जिसके कारण घर में सदैव अशांति बनी रहती है। 13 तारीख को उन्होंने कांकसा पुलिस स्टेशन के आईसी के पास करीब 50 महिलाओं का एक प्रतिनिधिमंडल भेजा और इलाके में शराब की अवैध बिक्री को रोकने की मांग की। थाने में शिकायत करने के बाद से ही असामाजिक तत्वों द्वारा उन्हें अपमानित किया जाने लगा और धमकियां दी जाने लगीं।

मंगलवार की सुबह मोहल्ले की महिलाओं ने एकजुट होकर एक महिला के अवैध शराब के कारोबार को ध्वस्त कर दिया। बाद में जब वह अकेली थी तो अवैध शराब विक्रेता महादेव चौधरी और उसके परिवार के लोग उसे अपने घर में खींचकर ले गए, उसकी पिटाई की और उसके कपड़े फाड़ दिए। वह खुद को बचाने के लिए चिल्लायी, उसकी चीखें सुनकर आसपास की महिलाएं दौड़कर उसे बचाने आईं और अस्पताल ले गईं।

बुधवार को वह और इलाके की महिलाएं फिर कांकसा थाने पहुंचीं और दोषियों को सजा दिलाने की गुहार लगाई।

उन्होंने और इलाके की महिलाओं ने कहा कि इलाके में शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अब वे डर के साये में जी रही हैं। प्रशासन को इस संबंध में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कांकसा पुलिस ने महिलाओं को आश्वासन दिया है कि वे तत्काल कार्रवाई करेंगे।

आज का राशिफल

20 फ़रवरी 2025
गुरुवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन मिलाजुला रहेगा। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से व्यथित हो सकते हैं। कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। जीवनसाथी के साथ सम्बन्ध मजबूत बनेगे।

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा। व्यवसाय में लाभ होने से मन हर्षित रहेगा। पुराने अनुभवों का लाभ मिलेगा। नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। पारिवारिक संबंध बेहतरीन रहेंगे। कार्यक्षेत्र में स्थिति मजबूत होगी। आप भावुक होने से बचे।

मिथुन
दिन बेहतरीन रहेगा। खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई महत्वपूर्ण कार्य को निपटा सकते है। प्रतिद्वन्द्वी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। सेहत के प्रति सजग रहे।

कर्क
दिन शुभ रहेगा। कारोबार में शानदार तरक्की के योग बन रहे हैं। गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भ बढ़ेगे। स्वास्थ्य को लेकर आपको समस्या होगी।

सिंह
दिन सामान्य रहेगा। स्वार्थी स्वभाव के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है। गलत कार्यों और संगति से दूर रहें।

कन्या
दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक स्थिति को हर स्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। नौकरी में सैलरी बढ़ने के संकेत हैं। बातचीत में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

तुला
दिन बढ़िया रहेगा। मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

वृश्चिक
दिन बहुत अच्छा है। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न होंगे। सुस्ती का अनुभव कर सकते हैं। पारिवारिक कार्यक्रमों में आप काफी व्यस्त रहेंगे। घर के सदस्यों की सुरक्षा का ध्यान रखें। कर्ज व लोन लेने के कारण धन की कमी दूर होगी।

धनु
दिन अनुकूल नहीं रहेगा। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। मन में अज्ञात भय रहेगा। दिनचर्या अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण काम रुक सकते हैं। व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें।

मकर
दिन अनुकूल रहेगा। रुका हुआ धन वापस प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा होने की संभावना है, जो लाभदायक रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। सेहत ठीक रहेगी। सम्बन्ध मजबूत बनेगे।

कुंभ
दिन अच्छा रहेगा। गृहस्थ सुख का आनंद लेंगे। उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी। सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। अतिरिक्त आय हो सकती है। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। परिवार के सदस्यों के बिच प्रेम भावना बनी रहेगी।

मीन
दिन आनंदमय रहेगा। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से आपको बचना चाहिए। मित्रों से परामर्श लेना लाभकारी होगा। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखे।

अगले वर्ष 2026 से साल में 2 बार होगी सीबीएसई परीक्षा

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): रांची/ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 2026-2027 के शैक्षणिक सत्र से एक वैश्विक पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसके तहत, सीबीएसई उसी शैक्षणिक सत्र से साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने पर भी विचार कर रहा है, जिससे छात्रों को अपने सर्वोत्तम अंक सुरक्षित रखने का अवसर मिलेगा। यह नया सिलेबस मुख्य रूप से विदेशी छात्रों पर केंद्रित होगा। पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप एक व्यापक सुधार योजना अनुसार लाए जा रहे इस नए पाठ्यक्रम में छात्रों को ज्यादा लचीलापन और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शिक्षा मिलेगी।

टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार साल 2026 में ये दोनों बदलाव होंगे। यह पहली बार नहीं है जब सीबीएसई ने अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम की दिशा में कदम बढ़ाया है। 2010 में, सीबीएसई ने विदेशों में रहने वाले भारतीय छात्रों के लिए सीबीएसई इंटरनेशनल (सीबीएसई-i) पाठ्यक्रम पेश किया था। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के दिशा-निर्देशों पर आधारित था, जिसमें वैश्विक दृष्टिकोण को शामिल किया गया, साथ ही भारतीय विषयों को बनाए रखा गया।

इस पहल को कई चरणों में लागू किया गया, जिसकी शुरुआत मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के 25 स्कूलों में कक्षा 1 से 9 तक के लिए पायलट प्रोग्राम के रूप में हुई। बाद में इसे अधिक अंतरराष्ट्रीय स्कूलों और कुछ भारतीय संस्थानों तक विस्तारित किया गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में इस निर्णय पर चर्चा की गई है। बैठक में सीबीएसई, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। नई प्रणाली के तहत छात्रों के पास वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने और अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर को बनाए रखने का विकल्प होगा।

सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये योजना विद्यार्थियों में परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर देगी।

इसका उद्देश्य परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करना है, साथ ही अधिक समग्र मूल्यांकन प्रणाली सुनिश्चित करना है। इसमें रटने की बजाय अवधारणात्मक समझ और कौशल आधारित मूल्यांकन पर जोर देना है।

इन सुधारों से खास तौर पर उन छात्रों को लाभ होगा जो परीक्षा की चिंता या बीमारी जैसी अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी छात्रों को अपनी क्षमताओं को दिखाने का उचित अवसर मिले।

एनआरएचएम घोटाला मामले में प्रमोद कुमार सिंह को ईडी ने किया गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): रांची/ ईडी ने झारखंड में करीब 13 साल पहले हुए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) घोटाले के सिलसिले में धनबाद निवासी प्रमोद कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले में राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निर्धारित धन का कथित दुरुपयोग शामिल है। सिंह, जो पहले एनआरएचएम में अनुबंध के आधार पर अकाउंट मैनेजर के रूप में काम करता था, ने तब से काफी संपत्ति अर्जित की है, मुख्य रूप से अपने कोयला व्यवसाय के माध्यम से। रांची में ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय से 12 समन प्राप्त करने के बावजूद, वह पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुआ, जिसके कारण उसे धनबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी ने सिंह को रांची में पीएमएलए अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए सात दिन की रिमांड मांगी। हालांकि, अदालत ने केवल तीन दिन की हिरासत दी।

झारखंड भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इससे पहले प्रमोद कुमार सिंह समेत 10 लोगों के खिलाफ एनआरएचएम के तहत एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के लिए वित्तीय वर्ष 2011-12 में आवंटित 6.97 करोड़ रुपये के कथित गबन के लिए एफआईआर दर्ज की थी। सिंह को वित्तीय धोखाधड़ी का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है, जिस पर स्वास्थ्य सेवा के लिए निर्धारित धन को सीधे अपने बैंक खातों में डालने का आरोप है। ईडी की जांच में पता चला कि सिंह ने न केवल 10 अलग-अलग पीएचसी खातों से अपने खाते में धन हस्तांतरित किया, बल्कि अपनी पत्नी प्रिया सिंह के बैंक खाते में भी पैसा डाला।

घोटाले के उजागर होने के बाद उन्हें एनआरएचएम पद से बर्खास्त कर दिया गया। ईडी ने मामले की जांच 2023 में शुरू की। जुलाई और अगस्त 2024 में सिंह और अन्य आरोपी व्यक्तियों से जुड़े विभिन्न स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने महत्वपूर्ण दस्तावेज और 2.17 लाख रुपये की नकदी बरामद की। सितंबर 2024 में ईडी ने सिंह और उनके परिवार से जुड़ी 1.63 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की थी। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि सिंह ने एक अन्य आरोपी शशि भूषण प्रसाद (अब दिवंगत) के साथ मिलकर अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग करते हुए एनआरएचएम फंड से 9.39 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

महाप्रबंधक ने किया पटना-डीडीयू एवं डीडीयू-गया रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): हाजीपुर/ महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा पटना-डीडीयू एवं डीडीयू-गया -किऊल रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । इस दौरान उन्होंने इन रेल मार्गों में पड़नेवाले स्टेशनों, रेल पुलों, रेलवे ट्रैक, ओचई, सिगनलिंग सिस्टम सहित यात्री सुविधा एवं संरक्षा से जुड़े पहलुओं का गहन मुआयना किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत चौधरी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता अपने-अपने क्षेत्राधिकार में उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक द्वारा बक्सर स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, साफ-सफाई, पैदल उपरिगामी पुल, सर्कुलेटिंग एरिया सहित समस्त व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा डीडीयू यार्ड का भी निरीक्षण किया गया जहां उन्होंने परंपरागत आईआर लाइन के डीएफसीसी लाइन से जुड़ाव के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। इसके उपरांत महाप्रबंधक महोदय द्वारा न्यू गंजख्वाजा से न्यू चिरैला पौथू स्टेशन तक डीएफसीसी लाइन पर विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत सासाराम-डेहरी ऑन सोन-गया रेलखंड का भी महाप्रबंधक महोदय द्वारा विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए यात्री सुविधा एवं संरक्षा से जुड़े पहलुओं का गहन मुआयना किया गया।

सुविधा से ज्यादा लोगों की जान बचाना महत्वपूर्ण- ग्रामीण एसपी

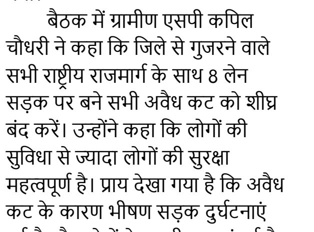

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): जिले से गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ 8 लेन सड़क के सभी अवैध कट बंद किए जाएंगे। राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य सड़कों पर रॉन्ग साइड से चलने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चालान काटा जाएगा। यह निर्णय बुधवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिया गया।

बैठक में ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने कहा कि जिले से गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ 8 लेन सड़क पर बने सभी अवैध कट को शीघ्र बंद करें। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा से ज्यादा लोगों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। प्राय देखा गया है कि अवैध कट के कारण भीषण सड़क दुर्घटनाएं हुई है और लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

बैठक में झरिया में सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वन वे ट्रैफिक व्यवस्था करने, कतरास मोड़ से सिंह नगर की ओर जाने वाले मार्ग, हनुमान गढ़ी के पास, इंदिरा चौक के पास, फुसबंगला मोड़ तथा दुखहरणी मंदिर के पास दुर्घटना संभावित क्षेत्र में चेतावनी साइन बोर्ड व स्पीड ब्रेकर लगाने का निर्णय लिया गया। वहीं गोविंदपुर और निरसा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्णय गया।

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, डीएसपी शंकर कामती, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द कुमार सिंह, एनएचएआई के नीरज कुमार ने, आरसीडी के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

महाकुंभ क्राउड मैनेजमेंट हेतु महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): हाजीपुर/ पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की गयी। इस बैठक में पांचो मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक अपने-अपने मंडलों के शाखा अधिकारियों के साथ वीडियो क्रांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। बैठक में मुख्य रूप से महाकुंभ-2025 के दौरान स्टेशनों एवं ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट, कुंभ स्पेशल ट्रेनों के परिचालन सहित श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की गयी। महाप्रबंधक ने मंडल रेल प्रबंधकों एवं मुख्यालय के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिया कि क्राउड मैंजमेंट में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए यात्री सुरक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अंतिम क्षणों में प्लेटफॉर्म न बदला जाए। स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को सीसीटीवी द्वारा लगातार मॉनिटरिंग किया जाए एवं आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कुंभमेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाए।

विदित हो कि क्राउड मैनेजमेंट हेतु मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर वाररूम की स्थापना की गयी है जहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी कैमरे से चौबीसों घंटे लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। यात्री सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो इसके लिए स्टेशनों पर रेल सुरक्षा बल निरंतर चौकसी बरत रहे हैं । साथ ही इस कार्य हेतु प्रमुख स्टेशनों पर भीड को नियंत्रित करने हेतु जिला पुलिस, एसएसबी एवं एसडीआरएफ की भी मदद ली जा रही है।

अधिक भीड़-भाड़ वाले प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाया गया है जिसमें पानी, बैठने एवं आराम करने तथा यात्री सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। साथ ही ट्रेन के आवागमन की जानकारी सहज उपलब्ध हो सके इसके लिए स्टेशनों पर निरंतर उद्घोषणा की जा रही है। यात्रा टिकट प्राप्त करने में दिक्कत ना हो इसके लिए प्रमुख स्टेशनों पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टिकट काउंटर एवं एटीवीएम के लिए अतिरिक्त फैसिलिटेटर का प्रावधान किया गया है।

पैदल उपरी पुल/ प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया पर विशेष ध्यान के साथ स्टेशनों पर और ट्रेनों में पर्याप्त संख्या में आरपीएफ एवं जीआरपी की तैनाती की गयी है।

लंबी दूरी की ट्रेनों की सामान्य बोगियों में यात्रियों के चढ़ते समय धक्का-मुक्का न हो, इसके लिए आरपीएफ एवं जीआरपी द्वारा ज्यादा भीड़-भाड़ वाली ट्रेनों के सामान्य बोगियों में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से चढ़ाने की व्यवस्था की गयी है।

इंडिया थेरेपी सेंटर में विशेष सेवाओं की शुरुआत

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): पहला कदम दिव्यांग बच्चों के विकास और उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इंडिया थेरेपी सेंटर जगजीवन नगर (डॉक्टर्स कॉलोनी, ब्रह्माकुमारी के सामने मंगलवार को एक नई पहल की गई। डॉ. शिप्रा कमल (डेवलपमेंट पीडियाट्रिशियन, रांची) हर महीने के तीसरे बुधवार को सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अपनी सेवाएँ धनबाद में प्रदान करेंगी। यह पहल विशेष रूप से उन बच्चों के लिए की गई है जिन्हें विकास संबंधी चिकित्सा परामर्श की आवश्यकता होती है। प्रवक्ता ने बताया कि अब हमें बाहर जाने की ज़रूरत नहीं। हमारे ही शहर धनबाद में विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, जो बच्चों की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखेंगे। इस विशेष अवसर पर, डॉ. शिप्रा कमल (डेवलपमेंट पीडियाट्रिशियन) और डॉ. दीपक कुमार (नियोनेटोलॉजिस्ट और पीडियाट्रिशियन) भी उपस्थित रहे। इस पहल को सफल बनाने में इंडिया थेरेपी सेंटर के निदेशक प्रतीक अग्रवाल और कौशल अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। इंडिया थेरेपी सेंटर ने आश्वासन दिया है कि बच्चों की हर ज़रूरत को पूरा करने के लिए पूरी कोशिश की जाएगी। सबके सहयोग से यह पहल और भी सफल होगी। सभी का समर्थन हमारे लिए महत्वपूर्ण है। साथ मिलकर हम धनबाद में और भी बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

महाकुंभ मेला तक रेलवे स्टेशन पर तैनात रहेगी अतिरिक्त पुलिस फोर्स - उपायुक्त

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): प्रयागराज में महाकुंभ मेला को लेकर धनबाद रेलवे स्टेशन से कुंभ स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। कुंभ मेला में स्नान करने के लिए यात्रियों की भीड़ भी बढ़ती जा रही है। धनबाद से प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा और सुगम यात्रा के मद्देनजर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बुधवार की देर शाम धनबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती करने सहित कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि यात्रियों को कुंभ स्पेशल ट्रेन की जानकारी लगातार अनाउंसमेंट कर देते रहें। आरपीएफ भी यात्रियों को ट्रेन की और किस प्लेटफार्म से स्पेशल ट्रेन खुलेगी इसकी भी जानकारी लगातार देते रहें।

वहीं यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 26 फरवरी तक रेलवे स्टेशन के बाहर ऑटो पार्किंग में बदलाव करने तथा एक बार में सीमित संख्या में ऑटो को प्रवेश करने देने का निर्णय लिया गया।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को रेलवे स्टेशन में डॉक्टरों की टीम के साथ एक एंबुलेंस को भी तैनात करने का निर्देश दिया। साथ ही पैसेंजर होल्डिंग एरिया में पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी से निगरानी करने का निर्देश दिया।

वहीं मीडिया से बात करते हुए उपायुक्त ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए धनबाद एवं गोमो रेलवे स्टेशन से यात्रियों का आवागमन सुचारू रूप से जारी है। धनबाद से प्रयागराज जाने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। यात्री भी सुचारू रूप से इसमें यात्रा कर अपने गंतव्य की ओर पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी तक स्पेशल ट्रेन से जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती के अलावा महिला पुलिस भी रेलवे स्टेशन पर मौजूद रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर फोर्स की संख्या बढ़ाई जाएगी।

कांग्रेस कार्यालय हजारीबाग में हुआ ओबीसी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला का सम्मान समारोह

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): बुधवार को कांग्रेस कार्यालय हजारीबाग में झारखंड प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के नव नियुक्त कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओबीसी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक कुमार गुप्ता ने की, कार्यक्रम का संचालन ओबीसी के प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गोप तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान ने की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने माला पहनाकर सुरजीत नागवाला जी का स्वागत किया, और कहां की कांग्रेस पार्टी हमेशा से वैसे कार्यकर्ताओं को त तरजीह देती है जो संगठन के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं आज उसी का प्रतिफल है कि हजारीबाग के सुरजीत नागवाला जैसे कार्यकर्ता को कांग्रेस की एक बड़ी जवाबदेही है दी गई है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार ने भी फूल और बुके देकर नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष का स्वागत किया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के डॉक्टर प्रकाश कुमार, रेणु कुमारी, प्रदेश महासचिव रीतलाल मंडल और जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने माला पहनकर और बुके देकर भी स्वागत करने का काम किया। स्वागत समारोह के इस कार्यक्रम में नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नागवाला ने कहा कि हजारीबाग के कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं के इस स्वागत से मैं अभीभूत हूं, प्रदेश नेतृत्व और जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी ने जो मुझ पर भरोसा जताया है उसे मैं जमीन पर उतरने का काम करूंगा, और पूरे झारखंड के 24 जिला में लोगों को ओबीसी कांग्रेस से जोड़ने का काम करूंगा। आने वाले दिनों में झारखंड में ओबीसी और मजबूत स्थिति में दिखेगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष दीपक कुमार गुप्ता ने कहा की स्वागत समारोह में सबों का अभिनंदन करते हुए कहा कि सुरजीत नागवाला आंदोलन करने वाले नेता है जिन्हें प्रदेश नेतृत्व ने उनके कार्यशैली को देख बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है और हजारीबाग के लिए गर्व की बात है। स्वागत समारोह के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में ओबीसी संगठन को लेकर पूरे राज्य का भ्रमण करेंगे और जो 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला माननीय राज्यपाल के यहां लंबित है, उसके लिए हम लोग सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करने का काम करेंगे। झील सुंदरीकरण पर जो 14 करोड रुपए का जो आवंटन हुआ है उसके लिए नगर निगम से भी आग्रह किया गया है कि इस काम के आवंटन के बाद उपयोगिता प्रमाण पत्र भी हम लोगों को उपलब्ध करावे ताकि यह राशि की सदुपयोगिता देखी जा सके। झील परिसर में जो सूखा हुआ पेड़ है उसे भी जल्द से जल्द काटा जाए ताकि कोई दुर्घटना घटित ना हो। बड़ा झील की जो सफाई नहीं हुई है नगर निगम की प्रशंसक से आग्रह की गई है कि बड़ा झील की भी सफाई अभिलंब कराई जाए। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग मेंडॉक्टर की ड्यूटी चार्ट सभी वार्डों में सार्वजनिक कर लगाई जाए। आउटसोर्सिंग कंपनी का टेंडर का जो समय सीमा समाप्त हो गया है, उसमें नया टेंडर निकाला जाए और जो कंपनी ब्लैकलिस्टेड हो गई है उसको अभिलंब कार्य से हटाया जाए। पर्ची काउंटर पर सीनियर सिटीजन और महिला के लिए अलग पर्ची काउंटर अस्पताल परिसर में उपलब्ध कराया जाए। यूरिन कल्चर और थायराइड की जांच की व्यवस्था हो। जितने भी अस्पताल कर्मी जो बिना डिप्लोमा के बहाल है उसकी जांच हो और उन पर कार्रवाई हो। 3 वर्षों से अधिक समय सीमा जिसकी हो गई है वैसे क्लर्क को अनयंत्र स्थानांतरित किया जाए। सरकारी जमीन नदी नाला और तालाब को अतिक्रमण मुक्त करायाजाए। ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू हो, जाम से निजात मिले, पार्किंग स्थल बढ़ाया जाए। इन सभी बिंदुओं को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है और जल्द ही इस पूरे मामले को लेकर पूरे डाटा के साथ झारखंड कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष और संबंधित विभाग के मंत्री को अपना पत्र सौंपेंगे और कार्रवाई के लिए आग्रह करेंगे। झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार है ये आम जनों के लिए प्रयासरत है इसलिए किसी भी पदाधिकारी को सरकार की छवि खराब करने नहीं दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव भीम कुमार, ओबीसी प्रदेश पदाधिकारी डॉ प्रकाश कुमार रीतलाल मंडल, रेणु कुमारी, वरिष्ठ कांग्रेसी जमुना यादव, अशोक देव, अजय गुप्ता, संजय गुप्ता, आबिद अंसारी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बेबीदेवी, किसान मोर्चा अध्यक्ष ज्ञानी मेहता आदि कई वक्ताओं ने सभा को संबोधित किया। सभी लोगों ने आज खुशी जाहिर की की हजारीबाग के लिए गर्व का विषय है और सभी लोगों ने फूल माला देकर नवनीत कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया और कहा कि आज हजारीबाग में नईसिरे से मजबूत हुई है और पूरे झारखंड में जल्द ही एक नया तेवर और कलेवर देखने को मिलेगा।

मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा वरिष्ठ कांग्रेसी यमुना यादव, अशोक देव, आबिद अंसारी, डा. प्रकाश कुमार, रेणु कुमारी, कजरू साव, रीतलाल मंडल, धीरज सिंह, अजय गुप्ता, बेबी देवी, युवा कांग्रेस के महासचिव कोमल कुमारी, दिगम्बर मेहता, सरयु यादव, लाल बिहारी सिंह, जावेद इकबाल, परवेज अहमद, मनोज मोदी, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, सुनिल सिंह राठौर, सदरूल होदा, साजिद हुसैन, गोविंद राम, राजू चौरसिया, साजिद अली खान, मकसूद आलम, सुनिल साहु, ज्ञानी प्रसाद मेहता, अब्दुल मनान वारसी, गौतम मेहता, नरसिंह प्रजापति, महेश राम रजक, दिलीप कुमार रवि, दिलीप पासवान, महबूब अंसारी, विजय कुमार सिंह, भागी मेहता, मो. कमरूउद्दीन, लाल धन महतो, प्रदीप कुमार, मो.कलीम, संजय गुप्ता, आबिद अंसारी,बेबी देवी, चूरचू प्रखंड अध्यक्ष महबूब अंसारी, बरही प्रखंड अध्यक्ष राजू राणा, बरही प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मानन वारसी, पदमा प्रखंड अध्यक्ष गौतम मेहता, लालधन महतो, सुनील साहू, पंकज पासवान,साजिद ख़ान,परमेश्वर साव, शनी यादव, बिनोद कुमार, राहुल कुमार, जितेन्द्र कुमार, संतोष कुमार, उपेन्द्र सिंह, अर्जुन नायक, चन्द्र शेखर आजाद, सुरेन्द्र कुमार, अजय पासवान, अफताब आलम, बाबर अंसारी, खालिद मोहम्मद, मो.रब्बानी, मो. वारिस, प्रकाश पासवान, अशोक राम, लाल धन महतो, दिनेश्वर कुमार, अमीत कुमार, रामेश्वर कुमार, राजेन्द्र प्रजापति, मोहन प्रजापति, अंजली कुमारी, रिंकू देवी, सरिता देवी, फुलमति, भैया असीम कुमार, धनवा देवी, धनेश्वरी देवी, सुदामा देवी, अनिल भुईंया, चरित्र राम भुईया, सतेन्द्र कुमार, प्रकाश कुमार, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी के अतिरिक्त सैकड़ो ओबीसी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धनबाद प्रेस क्लब ब्लू ने जीता मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): बुधवार को रेलवे स्टेडियम धनबाद में चल रहे धनबाद प्रेस क्लब मीडिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का फाइनल मैच खेला गया। इस मैच में धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम ने डी थ्री को मात देते हुए ट्राफी पर कब्जा किया। वहीं ब्लू टीम के खिलाड़ी राजा को मैन आफ द मैच, मैन आफ द सीरिज व बेस्ट बालर का खिताब भी मिला। वहीं सर्वश्रेष्ठ बालर विक्रम, बेस्ट फील्डर व कैप्टन का पुरस्कार ब्लू टीम के राममूर्ति पाठक को दिया गया। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त माधवी मिश्रा, टाइटल प्रायोजक बीसीसीएल के उदयवीर सिंह, विधायक राज सिन्हा, डीआरएम धनबाद कमल किशोर सिन्हा, सीनियर डीपीओ अजीत कुमार, सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार समेत सभी फ्रेंचाइजी, संपादक वे वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे।

फाइनल मैच से पहले उपायुक्त धनबाद माधवी मिश्रा समेत अन्य अतिथियों ने मैच का उद्घाटन करते हुए टीम डीथ्री और डीपीसी ब्लू के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उपायुक्त ने अपनी शुभकामनाएं भी दीं। 20 ओवर के इस मैच में डीथ्री ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर टीम ने 128 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए धनबाद प्रेस क्लब ब्लू की टीम ने महज 10.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाकर मैच जीत लिया। दोनों टीमों को विधायक राज सिन्हा, टूर्नामेंट के टाइटल प्रायोजक बीसीसीएल के अधिकारी उदयवीर सिंह, जिला वन पदाधिकारी विकास पालीवाल, सूर्या रीयलकान के संतोष सिंह, नपान ग्रुप के अमित रंजन, डीथ्री के शांतनु चंद्रा, रामअवतार ग्रुप के अमरेश सिंह, मिरर मीडिया के धीरेंद्र राय, निरसिंह इस्पता की ओर से मनोज शर्मा, दैनिक जागरण के संपादक डा. चंदन शर्मा, प्रभात खबर के संपादक जीवेश रंजन, दैनिक भास्कर के संपादक विकास कुमार सिंह, खबर मंत्र के संपादक ज्ञानवर्धन मिश्रा, बिहार आब्जर्वर के संपादक गणेश मिश्रा और आवाज के संपादक अमित सिन्हा ने विजेता और उपविजेता ट्राफी देकर टीमों को सम्मानित किया।

इस दौरान आयोजनकर्ता धनबाद प्रेस क्लब की ओर से कमंट्रेटर परवेज, रेलवे मैदान के क्यूरेटर दुलाल दा, स्कोरर प्रींस, एम्पायर शशि सिंह व राजू प्रसाद, क्लब अनुशासन समिति सदस्यों, धबनाद के वरिष्ठ पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर क्लब अध्यक्ष संजीव झा, वरीय उपाध्यक्ष शशि राय, महासचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष प्रतीक पोपट, बलवंत कुमार, अमर प्रसाद, सुरेंद्र यादव, शरदचंद्र पांडेय, सचिव मोहन गोप, संजय चौरसिया, नवीन राय, राममूर्ति पाठक, चंदन पाल, कार्यकारिणी के विक्की प्रसाद, रोशन सिन्हा, विपीन कुमार रजक, गोपाल प्रसाद और शांभवी सिंह मौजूद थीं।

इस अवसर पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ चंद्र भानु प्रतापन, आरपीएफ कमांडेंट अनुराग मीणा, डीएसपी आरपीएफ सुरेश कुमार मिश्रा, डीएसपी एसआरपी जय गोविंद प्रसाद गुप्ता, डीएसपी शंकर कामती, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सीएफएम संक्षिप्त

अवैध मुहानों पर सीआईएसएफ ने कराया डोजरिंग

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): जोगता थाना क्षेत्र क्षेत्र में इन दिनों डंके की चोट पर अवैध कोयला उत्खनन का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा था,अवैध कोयला कारोबारी इसका जमकर लाभ उठा रहे थे.अवैध उत्खनन के कारण आए दिन दुर्घटनाएं घटती रहती है. बुधवार को सीआईएसएफ अवैध उत्खनन की सूचना पर जोगता थाना क्षेत्र के बीसीसीएल एरिया 5 के अंतर्गत न्यू श्यामबाजार, 6 नंबर बस्ती आदि जगहों पर अवैध मुहाने को बंद कराया।

डीआरएम ऑफिस के निकट सड़क दुर्घटना में दो घायल

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): डीआरएम ऑफिस के पास चार पहिया और मोटरसाइकिल में टक्कर चार पहिया वाहन पलटी मारी ड्राइवर और एक मोटरसाइकिल सवार घायल धनबाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची बाइक को किया जप्त, घटना के बाद लगी जाम गाड़ियों की लंबी कतार।

संजय नगर में जिप सदस्य ने किया नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): सिउली बाड़ी संजय नगर के ग्रामीणों में खुशी की लहर, जिप सदस्य गुलाम कुरैशी के द्वारा बुधवार को सुबह नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़ कर किया। इस दौरान आसपास के दर्जनों महिलाएं व पुरुष उपस्थित हुए। सभी ने कहा कि नाला नहीं होने की वजह से रास्ता पर गंदा पानी बहता रहता था। जिसके कारण आने जाने में काफी परेशानी होती थी। जिप सदस्य द्वारा नाला निर्माण कराया जा रहा है। काफी दिनों से यहां के निवासियों को परेशानी हो रही थी। उनकी परेशानी को देखते हुए 400 फीट का नाला निर्माण कराया जा रहा है। संवेदक को सख्त हिदायत दी गई है की कार्य में गुणवत्ता का ख्याल रखा जाए।

जनता मजदूर संघ साउथ तिसरा शाखा का पुनर्गठन संपन्न

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): बुधवार को जनता मजदूर संघ साउथ तिसरा शाखा की कार्यकारिणी की बैठक क्षेत्रीय पदाधिकारी की उपस्थिति में एमओसीपी कम्युनिटी हॉल में हुई। जिसमें साउथ तिसरा शाखा का पुनर्गठन किया गया गया। पुनर्गठन में राजीव झा अध्यक्ष,अवधेश यादव उपाध्यक्ष, उमेश सिंह सचिव वेद प्रकाश देव संयुक्त सचिव विनय सिंन्हा कोषाध्यक्ष, बाबूलाल प्रसाद संगठन सचिव प्रमोद सिंह सह सचिव रामसेवक दास कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किएगए। नए बने सभी पदाधिकारी ने संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दी गई। मजदूरों की लड़ाई लड़ने की बात कही गई। मौके पर सुदर्शन प्रसाद क्षेत्रीय अध्यक्ष, अनिल सिंह, रितेश निषाद, संतोष मिश्रा, केल्विन तिर्की, मनोहर सिंह बड़े पैमाने पर संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थें।

दानापुर-सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस का परिचालन 20 से 28 फरवरी तक रद्द

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): हाजीपुर/ दानापुर और सिकंदराबाद के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 12792/12791 दानापुर-सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस का परिचालन दिनांक 20.02.2025 से 28.02.2025 तक रद्द किया जा रहा है।

हाइड्रोसील के मरीजों को चिन्हित करने का दिया निर्देश

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने बुधवार को समाहरणालय के सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उन्होंने हाइड्रोसील के एक-एक मरीज को चिन्हित करने और उनका ऑपरेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने शत प्रतिशत नवजात शिशु को प्रतिरक्षण खुराक देने, फाइलेरिया मरीज को मिलने वाली एमएमडीपी किट वितरण की अद्यतन स्थिति और उसकी निगरानी करने का भी निर्देश दिया।

राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा साहित्य की महती भूमिका

ज्ञान और साहित्य को देश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है

कोलफील्ड मिरर 20 फ़रवरी 2025: यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले है। संस्कृति ने नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है।

दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है। राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है।

दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं। संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, अज्ञानता के अंधेरे से ज्ञान के उजास से निकलता सूरज। शिक्षा और ज्ञान का प्रगतिशील स्वरूप। (राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा, भाषा की भूमिका) यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं। संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है।

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं। शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है।

दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है । राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है।

दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें, क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं। शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद, पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन, बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है।

दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है। राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है।

हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें, क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

क्या शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर है या कुछ और?

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र?

घरेलू मेडिकल संस्थानों में उपलब्ध कुछ सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और इस तथ्य के कारण कि कुछ देश बहुत कम ट्यूशन फीस देते हैं, भारतीय छात्र अक्सर विदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं। इससे उन्हें अधिक किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। अन्य आकर्षक कारकों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना, निजी कॉलेजों में उच्च ट्यूशन फीस, अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और कुछ देशों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। इसलिए, इन छात्रों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना और भारत वापस आना है। (भले ही कुछ लोग विदेश में बसना चाहते हों, लेकिन यह प्रवृत्ति भारत में चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों से बहुत अलग नहीं हो सकती है)। इसलिए, विदेशी चिकित्सा-स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने की उनकी क्षमता मुख्य चिंता है। क्या सरकार इसे समाप्त कर देगी और इसकी जगह सभी छात्रों के लिए एक परीक्षा लाएगी, चाहे डिग्री भारत से हो या विदेश से? मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

कोलफील्ड मिरर 20 फ़रवरी 2025: भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन कारकों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेज़ी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200, 000 से 300, 000 रुपये ख़र्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली है। छात्रों को एक बहुसांस्कृतिक सेटिंग से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाता है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं।

चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20, 000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन लेने वाले 32, 000 भारतीय छात्रों में से केवल 4, 000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे बोझ हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24, 000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुक़सान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10, 000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75, 000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है।

उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना ज़रूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है, जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मज़बूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर ज़ोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना ज़रूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन ज़रूरी है।

एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी) , भारत और विदेशों दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मज़बूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक क़दम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है। भारत से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस प्रवास के बारे में मेरी कोई बुरी नहीं है। भारत में, चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएँ तर्कहीन हैं। मुझे ऐसा लगता है कि बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त ज़रूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं। स्वास्थ्य सेवा में इन देशों की उपलब्धियों को देखते हुए, मध्य एशिया में चिकित्सा शिक्षा खराब नहीं है।

यदि वे भारतीय छात्रों के नामांकन का उपयोग क्षमता उपयोग बढ़ाने और अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के लिए करते हैं, तो वहाँ के कॉलेज अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से कार्य करेंगे। अगर इससे भारतीय छात्रों के एक समूह को डॉक्टर बनने में मदद मिलती है तो यह दोनों पक्षों के लिए जीत वाली स्थिति है। असफलता की भी संभावना है। कुछ लोग भारत में काम करने की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। कुछ उप -एजेंट या निजी ठेकेदार अधिक छात्रों को आकर्षित करने के प्रयास में कुछ प्रासंगिक जानकारी को रोक सकते हैं। तब आपातकालीन स्थितियाँ हो सकती हैं, जैसे कि चीन में कोविड-19 महामारी या यूक्रेन में युद्ध। इनके परिणामस्वरूप छात्रों के एक समूह को महत्त्वपूर्ण नुक़सान उठाना पड़ सकता है। भारत सरकार की नीति आपातकालीन स्थितियों में भी छात्रों की मदद करने में बहुत अच्छी नहीं है। विदेशों में चिकित्सा शिक्षा के सम्बंध में भारत सरकार की एकमात्र कार्यवाही भारत में अभ्यास के लिए योग्यता परीक्षा को और अधिक कठोर बनाना है। यह सवाल विवादास्पद है कि ऐसी परीक्षा कितनी कठिन होनी चाहिए। मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

डॉ सत्यवान सौरभ

चल पड़ा है भाजपा का अश्वमेध बिहार की ओर

कोलफील्ड मिरर 20 फ़रवरी 2025: 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा है। इस दिन महाकुंभ में अमृत स्नान किया जाएगा। ये माघ महीने का आखिरी दिन है। इस दिन तीर्थ और नदी में नहाने से पूरे महीने तीर्थ स्नान करने का फल मिल जाता है। ये महापुण्य देने वाला दिन माना जाता है। ग्रंथों के मुताबिक इस दिन पानी में भगवान विष्णु का निवास होता है, इसलिए इसे नारायण से जुड़ने का पर्व भी माना जाता है। इसी दिन भाजपा अपनी जीत का अश्वमेध रथ को बिहार में दौडाने की तैयारी शुरू कर रही है। सबसे पहले भाजपा 12 फरवरी को संत रविदास जयंती पर पटना में बड़ा आयोजन करने जा रही है। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि वृहद स्तर मनाने की तैयारी है। लक्ष्य जाति आधार गणना के आंकड़ों को आधार बनाकर अति-पिछड़ा वर्ग के 36 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति के लगभग 20 प्रतिशत एक मुश्त मतदाताओं को साधने की है। अब चूँकि भाजपा के लिए अरसे बाद अनुकूल स्थिति बनती दिख रही है। दिल्ली की जीत में बिहार के मतदाताओं की भूमिका अहम मानी जा रही है। इससे बिहार भाजपा के पक्ष में माहौल बनने की संभवना भी प्रबल हो गई है। इससे पहले केंद्रीय बजट में भी मोदी सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता में बिहार को रखा है। अब 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के सर्वाधिक संख्या वाले मतदाता वर्ग को किसानों को उपहार देने स्वयं आ रहे हैं।

देखा जाय तो मोदी-शाह युग स्वर्णिम वहां पहले से ही चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पिछले एक दशक की बात करें तो बिहार के सत्ता में हनक और हस्सेदारी जरूरी बढ़ी है। विधानसभा अध्यक्ष एवं विधान परिषद सभापति की कुर्सी के साथ दो दो उपमुख्यमंत्री बनाने में भाजपा सफल रही। हालांकि इस दौरान कई प्रयोग एवं उतार चढ़ाव से भाजपा नेतृत्व जूझना पड़ा।

दरअसल, पार्टी स्थापना के 45 वर्ष में भाजपा हिंदी पट्टी की सभी राज्यों में अपने दमपर सत्ता प्राप्त कर चुकी, लेकिन एक मात्र बिहार ही ऐसा राज्य हैं जहां अभी तक कांग्रेस छोड दूसरे कई दलों को कंधे पर बैठाकर मुख्यमंत्री बनाती रही। इस लंबे कालखंड में भाजपा ने लालू यादव एवं नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए समर्थन दिया। अगर 1980 से पहले के दशक की बात करें तो जनसंघ (वर्तमान में भाजपा) काल में लोकनायक कर्पूरी ठाकुर एवं राम सुंदर दास को समर्थन देकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाया।

अब पार्टी की आगे की रणनीति भी पिछड़ी जातियों की सोशल इंजीनियरिंग को आगे करके 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटों पर विजय का मार्ग प्रशस्त करने की है। इसी तरह का समीकरण पार्टी ने बूथ से लेकर मंडल एवं जिला संगठन के अन्य पदों पर वंचित समाज के कार्यकर्ताओं को आगे करने की तैयार की है। वहीं, संभव है कि अब गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ भी भाजपा नेतृत्व बढ़े हुए मनोबल के साथ सीटों के बंटवारे पर मोलभाव भी करेगी।

गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद भाजपा बिहार चुनाव को लेकर बहुत गंभीर है जहां अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 225 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। लेकिन बिहार की चुनावी लड़ाई किसी अन्य राज्य की तुलना में बिल्कुल जुदा है। वहां गठबंधन भी नए तरह का है और प्रमुख चेहरे केंद्र की राजनीति से अलग हैं। एनडीए जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे पर बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ेगी, वहीं महागठबंधन का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे। बिहार की राजनीति पर पिछले तीन दशक से दो नेताओं का प्रभाव रहा है। ये नेता हैं नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव।

भले ही लालू यादव अब राजनीतिक रूप से उतने सक्रिय न हों, लेकिन बिहार में उनका प्रभाव कम नहीं हुआ है। लालू की राजनीतिक विरासत को अब उनके बेटे तेजस्वी यादव बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं। बात नीतीश कुमार की करें, तो वह दो दशक से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने 2015 में कुछ महीनों के लिए पद छोड़ा था और जीतन राम मांझी को सीएम बनाया था। नीतीश ने इस दौरान गठबंधन साथी जरूर बदले हैं, लेकिन सीएम की कुर्सी उनके पास ही रही है। बिहार में किंग भी हैं, किंगमेकर भी और गठबंधनों का जादू भी। अगर कहें कि भारत के अन्य सभी राज्यों की तुलना में बिहार की राजनीति बहुत ज्यादा टेढ़ी है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।

बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में एक तरफ भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन होगा, तो दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन एनडीए में भाजपा के साथ जेडीयू , लोजपा (राम विलास), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर (HAM) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। वहीं महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी शामिल है।

हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का लक्ष्य आगामी बिहार चुनाव में भी जीत के मोमेंटम को बनाए रखना है। दिल्ली की जीत ने एनडीए का आत्मविश्वास और बढ़ा दिया है। वहीं बिहार में हाल में हुए उपचुनावों में भी एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। एनडीए ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में 225 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, एनडीए चुनाव से पहले एकता और ताकत दिखाने के लिए रैलियां करना शुरू कर दी हैं|

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने जोर देकर कहा कि दिल्ली में जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की मजबूत एकता का संदेश देती है। उन्होंने कहा, 'एनडीए 225 सीटें जीतने की राह पर है।' बिहार में चुनाव से पहले एनडीए में शामिल दलों के नेता गठबंधन के सदस्यों के बीच एकजुटता सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रत्येक जिले में संयुक्त बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जहां एनडीए के प्रदेश अध्यक्ष एकता और दृढ़ संकल्प का संदेश देने के लिए एक साथ जाते हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से विपक्ष की परिवारवादी राजनीतिक ताकतों का मुकाबला करने के लिए एकजुट मोर्चा पेश करने का आग्रह किया।

आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव भी मुकाबले के लिए तैयार है। उसने चुनाव से पहले ही जनता से कई वादे किए हैं, जिनमें 'माई बहिन मान योजना' के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2,500 रुपये प्रति माह और 200 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा भी शामिल है। उनके अन्य प्रमुख वादों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए मासिक पेंशन और युवाओं के लिए रोजगार सृजन के साथ-साथ पलायन पर अंकुश लगाने के उपाय शामिल हैं।

राजद के आक्रामक प्रचार के बावजूद एनडीए बिहार में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है। भाजपा के वरिष्ठ नेता तारकिशोर प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के करीब दो दशक के प्रभावी शासन का हवाला देते हुए आशा व्यक्त की कि बिहार में बीजेपी-जेडीयू गठबंधन की सत्ता बरकरार रहेगी। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता जीतन राम मांझी ने भी दिल्ली के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए X पर एक पोस्ट में लिखा, 'दिल्ली तो झांकी है, बिहार अभी बाकी है।।। जय एनडीए।'

जैसे-जैसे बिहार चुनाव के लिए प्रचार तेज हो रहा है, राज्य का विकास एजेंडा भी केंद्र में आ रहा है। इस साल की शुरुआत में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बजट घोषणा में बिहार के बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई घोषणाएं शामिल थीं। इनमें मखाना बोर्ड की स्थापना, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण और वेस्टर्न कोशी कनालजैसी प्रमुख परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता शामिल है। इसके अतिरिक्त, सीतारमण ने आईआईटी पटना के विस्तार और बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान स्थापित करने की योजना का भी ऐलान किया। ये ऐसे कदम जो मतदाताओं को पसंद आने की उम्मीद है। एनडीए के समर्थकों को उम्मीद है कि दिल्ली की जीत के साथ-साथ केंद्रीय बजट में की गई घोषणाएं राज्य में गठबंधन की स्थिति को और मजबूत करेंगे। बिहार चुनाव के लिए जैसे-जैसे अभियान तेज हो रहा है, एनडीए का लक्ष्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को केंद्र से मिल रही मदद को भुनाना है।

चुनाव नजदीक आने के साथ भाजपा और एनडीए में उसके सहयोगी अपनी हालिया सफलताओं को यहां भी आगे बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। भाजपा बिहार में एक और जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी दिल्ली जीत और पिछली जीत से बने मोमेंटम को भुनाना चाहती है। 2025 के चुनाव नतीजे बिहार में और राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए की स्थिति और केंद्र की राजनीति दोनों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। यह समय बताएगा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बिहार में शानदार जीत दर्ज कर पाने में सफल होता है या नहीं। लेकिन दांव पर बहुत कुछ लगा है, क्योंकि भाजपा देश के राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखना चाहती है।

भाजपा ने बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। पहली बार 50% से अधिक संगठनात्मक जिलों में पिछड़ा-अतिपिछड़ा समाज के कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष बनाया है। भाजपा का लक्ष्य 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतना है। पार्टी जाति आधार गणना के आंकड़ों के आधार पर अति-पिछड़ा वर्ग के 36% और अनुसूचित जाति के लगभग 20% मतदाताओं को साधने की रणनीति बना रही है।

अशोक भाटिया

सामाजिक ताना-बाना बिखेर रहे नंगापन और रील्स के परिवेश

मॉडर्न परिवेश में जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फ़ेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर ख़ुद को ऐसे अनुगृहित करती दिखाई देती है; मानो जीवन की सबसे अहम और ज़रूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने ख़ुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने ख़ुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के ज़माने में बड़े बुज़ुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर ज़माना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज़्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता?

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी 2025: पूरा देश नग्नता के लिए फ़िल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फ़िल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फ़ेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर ख़ुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और ज़रूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने ख़ुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने ख़ुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के ज़माने में बड़े बुज़ुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर ज़माना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है।

पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है-हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज़्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने ख़ास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज़्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफ़र के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद काग़ज़ के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज़्ज़त तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नहीं अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो-तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुर्गुणों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों ज़रूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फ़िल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फ़िल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फ़ेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्त्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो में अश्लील, आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और ख़ुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो। स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वह भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है कि अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ़ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में वासना' को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियाँ पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली-गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

डॉ० सत्यवान सौरभ
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

एक- एक आईएएस को पांच पांच विभाग देना बंद हो सके- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (रांची): झारखण्ड में आईएएस अफसरों की कमी को देखते हुए अविलंब प्रतिनियुक्ति करे केंद्र सरकार ताकि झारखण्ड सरकार द्वारा एक- एक आईएएस को पांच पांच विभाग देना बंद हो सके।

उपरोक्त बाते आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने केंद्रीय गृह मंत्री माननीय अमित शाह को राज्य में निर्धारित स्वीकृत आईएएस कैडर के पद के अनुसार 47 कम आईएएस होने पर एक पत्र लिख कर कही। इन्होंने आगे यह भी कहा कि 224 आईएएस स्वीकृत पद है जिसमें मात्र 177 आईएएस अफसर ही कार्यरत है और 14 झारखण्ड कैडर के आईएएस केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति में है और इसी वर्ष मुख्य सचिव सहित 14 आईएएस अफसर सेवानिवृत्त हो जाएंगे जिससे झारखण्ड में आईएएस अधिकारी की संख्या और कम हो जाएगी।

श्री नायक ने आगे कहा कि आईएएस अधिकारी के कमी के कारण आज झारखण्ड राज्य में एक- एक आईएएस को राज्य के पांच- पांच महत्वपूर्ण विभाग राज्य की सरकार सौपने पर मजबूर है। इससे राज्य में अराजकता का माहौल बन गया है। आज ये आईएएस अपने- अपने महत्वपूर्ण विभागों के साथ न्याय नहीं कर पा रहे है और सही से विभाग को समय नहीं दे रहे है जिससे राज्य में जनहितैषी एवं जन विकास के कार्यो का सफल संचालन नहीं हो पा रहा है और राज्य में विकास कार्य तथा अन्य कार्य पूर्ण रूप से बाधित हो रहे है जो राज्य के लिए शुभ संकेत नहीं है।

श्री नायक ने साफ़ शब्दों मे कहा कि केंद्र सरकार राज्य की उपेक्षा बंद करे और तुरंत स्वीकृत आईएएस पद के अनुसार राज्य को आईएएस उपलब्ध कराए और सभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में झारखंड कैडर के आईएएस लोगों को विरमित करने का काम करे ताकि वे झारखण्ड में रह कर झारखण्ड के विकास में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर राज्य के विकास को गति दे सके।

विधायक रेखा गुप्ता को भाईजी सोनी ने उनका स्केच भेट किया

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (नई दिल्ली): श्री मैड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज दिल्ली के युवा नेता एवं आर्टिस्ट लक्ष्मीकांत सोनी, भाईजी ने शालीमार बाग विधानसभा से कर्मठ और जुझारू भाजपा विधायक रेखा गुप्ता को उनका स्केच भेट किया। श्री सोनी ने कहा कि विधायक रेखा गुप्ता जी अपने विधानसभा क्षेत्र में आमजन की समस्या के लिए निष्पक्ष रूप से हर समय तैयार रहती है। इसलिए वे क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है।

इनके कुशल और कर्मठ नेतृत्व में क्षेत्र का उतरोतर विकास होगा।

पीएम के आगमन से पूर्व, पुलिस मुस्तैद, 22 से 24 तक बड़े वाहनों का आवागमन वर्जित

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रधानमंत्री के आगमन से पहले, कहलगांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी 2 डॉ. अर्जुन कुमार गुप्ता के नेतृत्व में क्षेत्र और सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बैरिकेडिंग की गई। वहीं उन्होंने बताया कि होटल, रेस्तरां, ढाबा, गेस्ट हाउस और रेस्ट हाउस जैसी जगहों की जांच और छापेमारी की जा रही है। साथ हीं 22 से 24 फरवरी तक झारखंड से आने वाले बड़े वाहनों का बिहार में प्रवेश प्रतिबंधित होगा।

क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए बड़े वाहनों का परिचालन दो दिनों के लिए बंद रहेगा।

सन्त इस धरती पर केवल परमार्थ के लिए ही आते हैं- सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

जो आदि से अंत दिखाता है और अंत से आदि तक पहुंचता है, वही सन्त होता है

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (उज्जैन): परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने सतसंग के माध्यम से बताया कि सन्त कौन होते हैं और वे किस काम के लिए आते हैं। बाबाजी ने कहा कि दाढ़ी, बाल को या कपड़े को सन्त नहीं कहते हैं। जिसको आदि और अंत की जानकारी होती है और आदि व अंत का भेद बताता है। जो आदि से लेकर के अंत दिखाता है और अंत से ले करके आदि तक पहुंचता है, वही सन्त होता है। अब आप कहोगे कि ये कोई जमीन फाड़ कर के आते होंगे या आसमान तोड़ कर के आते होंगे तो ऐसा कुछ नहीं है। माँ के पेट में ही बनते हैं, पलते हैं और इसी धरती पर चलते हैं। यहीं का अन्न का खाते हैं, यहीं का पानी पीते हैं लेकिन वे अपना काम पहले करते हैं। अपना काम का मतलब होता है अपने घर, अपने मालिक के पास पहुंचना। वो उस वक्त के जो सन्त होते हैं उनके पास पहुँच जाते हैं और उनसे इल्म लेते हैं, शिक्षा लेते हैं, नाम लेते हैं, कौनसा नाम? जिसके लिए कहा गया "कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहिं पारा"। नाम की डोर को पकड़ते हैं और प्रभु तक पहुंचते हैं। फिर प्रभु का आदेश हो जाता है कि अब तुम इस काम को (नामदान देने का) करो, तो उस काम को वे करने लग जाते हैं।

वृक्ष ना कबहूं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारणे, संतन धरा शरीर।।

जिस देश में हम लोग रहते हैं ये है तो काल भगवान का देश, उन्होंने दुनिया संसार को बनाया है, लेकिन आदमी ने अलग-अलग देश बना लिया, अलग-अलग राज्य बना लिया। यह देखा जा रहा है कि भारत देश में ही सन्त महात्माओं एवं अवतारी शक्तियों का अवतार हुआ है। सन्त महात्मा यहाँ आते रहे हैं और विशेष रूप से कलयुग में, जिसके लिए कहा गया है "कलयुग सम नहीं आन युग, जब सन्त लिया अवतार"।

जब-जब वे आए, तब-तब उन्होंने जीवों को जगाने का समझाने का काम किया है। क्योंकि जैसे किसी का ऑपरेशन करना होता है तो ऑपरेशन करने से पहले उसको क्लोरोफॉर्म सुंघाते हैं और उसको सूंघ लेने के बाद मरीज बेहोश हो जाता है। ऐसे ही काल भगवान ने, इस तरह से क्लोरोफॉर्म का छिड़काव कर रखा है कि जगह-जगह पर बेहोशी आ रही है लोगों को। होश ही नहीं आ रहा है कि मौत भी आनी है, जबकि मौत सामने खड़ी है, पता नहीं कब आ जाए। तो सन्त जब-जब आए उन्होंने जीवों को जगाने का परमार्थी काम किया, क्योंकि इसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं होता है, वे इसी काम के लिए आते हैं। तभी तो कहा गया ना कि

"वृक्ष ना कबहूं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारणे, संतन धरा शरीर।।"

जैसे पेड़ अपना फल खुद नहीं खाता है लोगों को खिलाता है, नदी अपना पानी स्वयं नहीं पीती है दूसरे को पिलाती है, खुद नदी नहाती नहीं है दूसरों को नहलाती है दूसरों की सफाई करती है। ऐसे ही सन्त होते हैं दूसरों के लिए आते हैं।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम "जयगुरुदेव"

किसी भी बीमारी, दुःख, तकलीफ, मानसिक टेंशन में शाकाहारी, सदाचारी, नशामुक्त रहते हुए जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव की ध्वनि रोज सुबह-शाम बोलिए व परिवार वालों को बोलवाइए और फायदा देखिए।

गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं

डॉ.शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (चिड़ावा): गौ सेवक, वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक डॉ. शम्भू पंवार ने कहा कि हिंदू धर्म में गौ सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। इनकी जितनी सेवा की जाए उतनी कम है। सनातन संस्कृति में गौमाता को विशेष स्थान दिया गया है। गौ माता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है।इसलिए गौ माताओं की सेवा करने से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

डॉ शंभू पंवार ने उक्त विचार श्री कृष्ण गौ शाला चिड़ावा में व्यक्त किए। वे आज अपने पिताजी की पुण्य तिथि पर गौ शाला में गौमाताओ को गुड, आहार खिलाया। डॉ शम्भू पंवार ने कहा कि गौ माता की सेवा करना चार धाम की यात्रा करने के समान है।

उल्लखेनीय है कि डॉ पंवार सामाजिक सरोकारों में महती भूमिका रखने के साथ साथ सच्चे गौ सेवक है। वे अपने या परिवार में किसी भी सदस्य के जन्मदिन पर गौ शाला जा कर गौमाताओ को एक बोरी दलिया, गुड़ खिलाते है। इतना ही नही अपने पिता व माता की पुण्य तिथि पर भी गोमाताओ को गुड़,दलिया खिलाने की अनूठी परंपरा काफी समय से चला रहे है।

इस अवसर पर अनुज सुभाष पंवार,पुत्र अभिषेक पंवार, एवम पोत्री यशस्वी, यशु पंवार भी साथ में थी।

डॉ पंवार जब भी गौ शाला में जाते है तो अपने भाई, पुत्र व पौत्री को साथ लेजाते है ताकि परिवार में भी सनातन संस्कृति के अनरूप गौ माताओ के महत्व समझे ओर उनका सम्मान करें। ताकि उनकी परम्परा को बच्चे आगे भविष्य में निभाते रहे।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने महाकुंभ के लिए बस रवाना किया

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (नरकटियागंज): केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने अपने बिहार के नरकटियागंज के अपने गांव हरसरी के निवासियों को महाकुंभ स्नान हेतु शुभकामनाओं के साथ कई बसों के साथ विदा किया, इस अवसर पर मंत्री महोदय ने कहा की 144 वर्षों के बाद महाकुंभ का यह शुभ संयोग बना है और पूरे विश्व के लोग महाकुंभ प्रयाग आ रहे है, बिहार से भी बहुत श्रद्धालु जा रहे है नरकटियागंज, हरसरी समेत आसपास की भारी संख्या में जनता को महाकुंभ जाने वाले बस को रवाना किया और सभी को बधाई दिया,

युवा राष्ट्रीय जनता दल का प्रतिनिधि मंडल मिला चिरकुण्डा नगर कार्यपालक पदाधिकारी से

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (निरसा): चिरकुण्डा नगर कार्यपालक पदाधिकारी से मिलकर युवा राष्ट्रीय जनता दल का प्रतिनिधि मंडल ने चिरकुण्डा नगर परिषद अंतर्गत कई मुद्दों पर सफल वार्ता की.

प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि जल्द से जल्द सभी योजनाओं को धरातल पर उतार कर पूर्ण करने का आश्वासन कार्यपालक पदाधिकारी से मिला है. उन्होंने बताया कि कई महीनों से रुका हुआ प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुक जल्द ही अपना आवास ले सकेंगे. पेयजल फेज 2 के लिए श्रम विभाग द्वारा जल्द ही ज़मीन मुहैया कराया जाएगा और रुकी हुई योजना को जल्द चालू किया जाएगा. इसके आलावा ईदगाह मुहल्ले में जल्द ही पानी का पाईप लाईन बिछाया जाएगा. स्ट्रीट लाइट को सभी जरूरत वाले जगहों पर जल्द ही लगाया जाएगा. शहीद चौक और बाबा साहेब के प्रतिमा को जल्द ही शेड निर्मित किया जाएगा. भूमिहीन शहरी योजना के तहत जल्द ही इसका सर्वे करके योजना को धरातल पर उतारा जाएगा. नेहरू रोड और शहीद चौक के सभी फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त किया जाएगा.

चिरकुण्डा नगर परिषद के तीनों पार्क को सुचारू रूप से चालू कर दोनों फाउन्टेन को जल्द ही चालू कर दिया जाएगा और नगर में जल्द ही सेल्फी पॉइंट चयन कर निर्माण कराया जाएगा. पुराने कई योजनाएं है जो अधूरे हैं उनको जांच कर दोषी पर कारवाई करते हुए कार्य को पूरा किया जाएगा. अन्यथा होल्डिंग टेक्स बंद कर दिया जाएगा. मौके पर राजेश कुमार मिश्रा जिला अध्यक्ष युवा राष्ट्रीय जनता दल धनबाद, लालबाबू यादव प्रदेश सचिव झारखंड, विक्रम यादव जिला सचिव धनबाद अन्य उपस्थित थे।

भारतीय खाद्य निगम ने पकड़िया में गेहूं अधिप्राप्ति केंद्र का किया शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती- प्रखण्ड के पकड़िया में भारतीय खाद्य निगम भागलपुर द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत गेहूं अधिप्राप्ति केंद्र का शुभारंभ किया गया है। इसको लेकर किसान सम्मलेन आयोजित कर गेहूं क्रय से संबंधित पूरी जानकारी किसानों को दी गई। उल्लेखनीय है कि 15 मार्च 2025 से गेहूं क्रय केन्द्र को सरकारी दर पर गेहूँ खरीद के लिए खोल दिया जायेगा।

इस बाबत विभाग द्वारा किसानों के बीच प्रचार-प्रसार कि प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। बैठक में सेंटर इंचार्ज अशोक कुमार ने कहा कि किसान अपना गेहूं बिना किसी परेशानी के भारतीय खाद्य निगम को बेच सकते है तथा इस बार उनको पिछले वर्ष कि तुलना में भारत सरकार के तरफ से मिनिमम सपोर्ट प्राइस 2425/- रूपए प्रति क्विंटल तय किया गया है, जो पिछले वर्ष से 150/- ज्यादा है।

वहीँ सेंटर के गुण नियंत्रण इंचार्ज राहुल रोहिताश्व ने बताया कि किसानों का पैसा उनके बैंक खाते में सीधा ट्रांसफर हो जायेगा, इसके लिए गेहूं कि क्वालिटी भारत सरकार के मानदंडो के अनुरूप होनी चाहिए। तथा इस बार भी किसानों की गेहूँ बेचने के 48 घंटो के अन्दर ही उनके बैंक खाता में राशि का भुगतान भारतीय खाद्य निगम द्वारा कर दिया जायेगा।

इस दौरान अविनाश कुमार उर्फ़ बबलू ने किसानों को पंजीयन ससमय करवाने को कहा, ताकि गेहूं अधिप्राप्ति के समय उन्हें किसी प्रकार का दिक्कत ना हों।

बिहार साहित्य महोत्सव में सम्मानित किए गए अनंत ज्ञान

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (पटना): जगजीवन राम शोध संस्थान, पटना, बिहार में राष्ट्र स्तरीय की दो दिवसीय बिहार साहित्य महोत्सव का आयोजन 15-16 फरवरी को किया गया, जिसमें देश भर से सौ से अधिक साहित्यकार शामिल हुए। महोत्सव में साहित्यिक परिचर्चा, विचार, शोध आलेख, लघुकथा, संवाद, पुस्तक लोकार्पण, पुस्तक समीक्षा, कवि सम्मेलन, मुशायरा,आँचलिक भाषाओं की गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ साथ बिहार के विभिन्न व्यंजन, मधुबनी पेंटिंग पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

इस भव्य महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर निदेशक, बिहार संग्रहालय, डॉ अशोक कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि डॉ भगवती प्रसाद द्विवेदी ने संयुक्त रूप से किया। हजारीबाग के युवा कवि एवं लेखक अनंत ज्ञान भी इस महोत्सव में शामिल हुए उन्हें उनकी कविता पाठ एवं साहित्यिक उपलब्धियों के लिए बिहार साहित्य महोत्सव के अध्यक्ष कमल किशोर वर्मा, सचिव नसीम अख्तर एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. भगवती प्रसाद द्विवेदी ने अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

महोत्सव में बिहार की आंचलिक भाषाओं, भोजपुरी, मैथिली, मगही, अंगिका और ब्रज के साहित्यकारों ने भी हिस्सा लिया। बिहार साहित्य महोत्सव की एक स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया जिसमें कवि अनंत ज्ञान की खोरठा कविता को भी शामिल किया गया है।

इंग्लिश स्कूल ऑफ कंपटीशन के शिक्षक द्वारा छात्रा की पिटाई पर भड़के अभिभावक

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (निरसा): इंग्लिश स्कूल ऑफ कंपटीशन एग्यारकुण्ड में मामूली बात पर नौवीं की छात्रा मुस्कान कुमारी को एक शिक्षक ने पीटाई कर दी। आरोप विज्ञान शिक्षक संजीत कुमार पर लगा है। आरोप है कि शिक्षक ने छात्रा को स्कूल से निकलवा देने की धमकी भी दी है।

छात्रा मुस्कान ने पिता पंकज विश्वकर्मा एवं मां से घटना की शिकायत की। माता व पिता कुछ लोगों के साथ स्कूल पहुंचे और हंगामा किया। शिक्षक के साथ मारपीट पर उतारू हो गये। बाद में स्कूल संचालक पीताम्बर झा के समझाने बुझाने पर लोग शांत हो गये। लेकिन अभिभावक और उनके समर्थन में दस--बारह लोगों ने बुधवार को भी स्कूल पहुंच हंगामा खड़ा कर दिया। शिक्षक को स्कूल से हटाने की मांग की। इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसकी गारंटी लेने की बात कही। कहा कि उक्त शिक्षक ने और भी कई छात्रों के साथ मारपीट की है। बच्चों के साथ कठोर व्यवहार करने वाले शिक्षकों से बच्चों में भय व्याप्त है। स्कूल संचालक पीताम्बर झा ने शिक्षक को तत्काल हटा देने का आश्वासन दिया और घटना की पुनरावृत्ति न हो यह गारंटी ली। झा के इस आश्वासन के बाद लोग अभिभावक के साथ वापस घर लौट गये। इधर छात्रों ने कहा कि उक्त शिक्षक छोटी छोटी बात पर हमेशा मारपीट करते हैं। यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई छात्रों से मारपीट की जा चुकी है। स्कूल प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष डीएन पाठक ने भी छात्रा मुस्कान की शिक्षक द्वारा पिटाई को ग़लत बताया। भयमुक्त शिक्षा का माहौल बनाने के लिये उक्त शिक्षक को हटाने की बात कही।

चेतना मंच का चतुर्थ वार्षिक उत्सव हिंदी भवन, नई दिल्ली में मनाया

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (नई दिल्ली): हिंदी भाषा साहित्य को सहेजने, सँवारने के उद्देश्य के साथ स्थापित हुआ चेतना किस्से कहानियाँ कविताएँ मंच का चतुर्थ वार्षिक उत्सव हिंदी भवन, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। लेखिका और हिंदुस्तान टाइम्स की कार्यकारी सम्पादक जयंती रंगनाथन इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुईं।

क्रमशः अंजू क्वात्रा (लेखिका, समाजसेवी और उद्यमी), डॉ. गुरमीत सिंह (लेखक, उप प्रधानाचार्य) और सचिन चतुर्वेदी (संस्थापक अनुराग्यम, इंजिनियर) विशिष्ट अतिथियों के रुप में आयोजन का हिस्सा बने।

इस बार चेतना मंच ने अपने चतुर्थ वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में हिंदी लेखन और लेखकों को प्रोत्साहित करने हेतु क्रमशः चेतना परवाज़ कलम की सम्मान, चेतना कथाकार सम्मान, चेतना काव्यकार सम्मान और चेतना साहित्यकार सम्मान की घोषणा की। जिसके अंतर्गत देश भर से सैकड़ो नामांकन दाखिल किए गए थे और उनमें से केवल 58 रचनाकारों के नाम सम्मान हेतु चयनित किए गए। जिन्हें इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। डॉ. गुरमीत सिंह जी को चेतना मंच द्वारा उनकी विभिन्न योग्यताओ के चलते विशेष "बहुमुखी प्रतिभा सम्मान" से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ चेतना मंच की सदस्य मोनिका सिंह "मोह" ने गणेश स्तुति के साथ किया।

मुख्य अतिथि जयंती रंगनाथन जी एवम विशिष्ट अतिथियों और चेतना टीम द्वारा सरस्वती पूजा और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। देश भर से आए कई कवियों, कवयित्रियों ने काव्य पाठ किया। क्रमशः अंकिता सिंह "रिनी" (दिल्ली), आशा किरन (गाजियाबाद), स्मिता सिंह चौहान (गाजियाबाद), पूर्णिमा राय (फ़रीदाबाद), वेद भारती (हरियाणा), रोशनी चोपड़ा (नई दिल्ली), अनुराग त्रिपाठी (लखनऊ), बलराम दाधीच (अजमेर), ललित कुमार (दिल्ली), रितेश (अजमेर), सचिन परवाना (दिल्ली), योगेश कृष्ण (गाजियाबाद) हिमांशु शुक्ला (नोएडा), आशित कुमार शरण (ग्रेटर नोएडा), संजू सिंगर (नई दिल्ली) ने कार्यक्रम में अपनी शानदार प्रस्तुतियाँ दी।

तत्पश्चात चेतना मंच की समस्त टीम (चेतना लवास, मीना सिंह 'मीन', मोनिका सिंह 'मोह' और प्रियंका गहलौत 'प्रिया कुमार') द्वारा सभी प्रतिभागियों और चयनित रचनाकारों को अंगवस्त्र और ट्राफी भेंट कर सम्मानित किया गया।

मंच संचालन मोनिका सिंह "मोह", प्रियंका गहलौत "प्रिया कुमार" एवं मीना सिंह "मीन" जी द्वारा बखूबी किया गया। अंत में चेतना लवास जी द्वारा धन्यवाद संदेश के साथ कार्यक्रम की इतिश्री की गई।

जमसं (बच्चा गुट) ने जीएम से की वार्ता

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (धनबाद): जनता मजदुर संघ बच्चा गुट के महामंत्री अभिषेक सिंह के नेतृत्व में एरिया 9 के जी एम एके सिन्हा से विगत दिनों वार्ता हुआ था झरिया के दोवारी रजवार बस्ती एवं कर्माटान्ड में 41 घरों जो सैकड़ो साल से नियोजन एवं घर से वंचित है वार्ता में कोयरी बांध से सटे परियोजना में स्थानीय लोगों को नियोजन दिया जाये पूर्व में नो परिवार के लोगो को नियोजन मिला है इसलिए बाकी लोगों को भी नियोजन मिलना चाहिए जी एम ने आश्वाशन दिया की 17 तारिक तक सभी को घर उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसी कड़ी में आज बी सी सी एल प्रबंधन ने आश्वाशन दिया की 21 से कर्माटाड में शिफ्टिंग किया जाएगा एवं किसी की भी जमीन पर कोई काम नही किया जाएगा जब तक फैसला नही आ जाता है प्रबंधन ने ये भी कहा कि स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। मुख्य रूप से रामकृष्ण पाठक. अक्षय लाल यादव. बच्चा सिंह सहवादी, अभिषेक परमार, लालबादुर यादव. नसीब चौहान. रत्नेश यादव. राजीव सिंह. बंटी राय, भीम निषाद, संजीव सिंह, गोल्डी सिंह, रितेश रजवार, मधु मुखर्जी, मिथलेश यादव सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

उलझी जिंदगी छोड़ मानव!

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी 2025: आजकल आदमी ने अपनी दुनिया इस कदर बना ली है कि पग-पग पर सुखी होने के नाम पर दु:खी होने की सामग्री सजा ली है। क्योंकि हम उस और चिन्तन भी नहीं कर पाते हैं। माना कि वर्तमान समय में उलझी हुई जिंदगी में बेहतर रहना थोड़ा मुश्किल है लेकिन व्यक्ति चाहे तो अपने जिंदगी को बेहतर बना सकता है। अपनी जिंदगी को सकारात्मक सोच, व्यायाम, लक्ष्य, आत्मविश्वास, अनुशासन, परिश्रम, कार्य में कुशलता आदि से बेहतर बना सकता है। हम अपने जीवन को ऊंचाइयों की ओर ले जाने के लिए हर वह तरीका अपनाते हैं जो हमें पता होता है लेकिन यह तरीका कामयाबी पाने का नहीं परिस्थितियों के पीछे भागना है। हमारी मंजिल हमारे पास होती है बस हमें उसे पाने और पहचानने की शक्ति होनी चाहिए, इसलिए अगर जीवन में कामयाब होना है तो लोगों के पीछे भागने, दूसरों के सफलता से जलने या दूसरों की देखा देखी करने से अच्छा अपनी मंजिल तक जाने वाला रास्ता खोजने में ही बेहतरी है। मनुष्य अपने आप को पहचानते हुए, अपनी सोच,समझ व ज्ञान से अपनी खुद ही खुद की मिसाल बनकर अपनी जिंदगी में नयापन ला सकता है। इन्सान जब तक मन में दृढ़ संकल्प न कर लें कि वह अच्छी आदतों को ही अपने जीवन में उतारेगा, उसके लिए चाहे कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़े, वह पिछे नहीं हटेगा, तो ही मनुष्य एक नेक इंसान बन सकता है। सत्संग का भी बहुत प्रभाव पड़ता है, जैसे कि हम ज्ञानियों के प्रवचन आदि सुनते हैं तो उस समय बुरी आदतों को छोड़ने का फैसला करते हैं। हम आजकल की इस मकड़ी के जाल की तरह उलझी जिंदगी को छोड़े व सादगी से रहें, ऊँची सोच रखे, कृतज्ञता का भाव सीखे, अंजलि भर-भर प्यार बाँटे और चेहरे पर ही नहीं मन में भी सदा मुस्कान रखे। क्योंकि जब जिंदगी हमारी है तो क्यों न हम इसे सदा प्रसन्नतापूर्वक जिएँ। यदि हमारी मुस्कुराहट कई उदास चेहरों पर हँसी ला सकती है तो हमारा मुस्कुराना बहुत अच्छा है। हँसना स्वस्थ और सुखी रहने का एक बढ़िया फंडा है। मुस्कुराहट में वह जादू है कि इसके होठों पर आते ही तनाव रूठकर चला जाता है। इसका जादू जल्दी ही आसपास मौजूद सभी लोगों पर छा जाता है और उदास चेहरों पर हँसी बनकर यह राज करने लगती है। तभी तो कहा हैं कि उलझी जिंदगी को मानव छोड़े।

प्रदीप छाजेड़, बोरावड़

हम क्यों मतलब उनसे रखें

मतलब नहीं जिनको कुछ भी हमसे, हम क्यों मतलब उनसे रखें।
हमको है प्यार यहाँ सिर्फ उन्हीं से, ख्याल हमारा जो हरदम रखें।।
मतलब नहीं जिनको कुछ भी-----।।

निभायेंगे मरते दम तक वफ़ा हम, वफ़ा मगर वो भी करें।
तोड़ेंगे नहीं हम उनसे यारी, मगर कुछ शर्म तो वो भी करें।।
हम साथ देंगे सिर्फ उन्हीं का, साथ सफर में जो हमको रखें।
हमको है प्यार यहाँ सिर्फ उन्हीं से, ख्याल हमारा जो हरदम रखें।।
मतलब नहीं जिनको कुछ भी-----।।

जैसे कि हम अपना समझते हैं, उनका दुःख-दर्द और गम।
ऐसे ही समझे वो जज्बात हमारे, समझे कि उनके अपने हैं हम।।
लुटा देंगे अपनी जां हम उन पर, मगर हमदर्दी वो भी तो रखें।
हमको है प्यार यहाँ सिर्फ उन्हीं से, ख्याल हमारा जो हरदम रखें।।
मतलब नहीं जिनको कुछ भी-----।।

हमको पसंद नहीं सच को छुपाना, दगाबाजी अपनों से करना।
विश्वास किसी का तोड़कर, उसके आशियाँ को बर्बाद करना।।
करेंगे कभी नहीं दगा उनसे हम, लेकिन वफाई कुछ वो भी रखें।
हमको है प्यार यहाँ सिर्फ उन्हीं से, ख्याल हमारा जो हरदम रखें।।
मतलब नहीं जिनको कुछ भी-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

दिल की अदालतों के फ़ैसले

बड़े, ग़मगीन हुआ करते हैं
बहुत मुश्किल तो था मगर,
मसअले का हल ज़रूरी था,
उनको वादों का पाश न हो,
मगर मेरा मिलना ज़रूरी था,
दिल की अदालतों के फ़ैसले
बड़े, ग़मगीन हुआ करते हैं
इल्ज़ामों का जवाब मुझको
देना दोस्तों बहुत ज़रूरी था,
उसने तो बहुत कुछ कह दिया
इल्ज़ामों की किताब भेजकर,
बात साफ़ साफ़ हो, इसलिए
अपना रुबरू होना ज़रूरी था,
इश्क़ में फ़ासले, फ़ासले नहीं,
होते,इतने क़रीब आ गये थे,
हम कि अब तो दूर होना भी
सच मानिए बहूत ज़रूरी था,
आंखों में तेरा चहरा, और दूर
साहिल पर तेरा होना, तन्हा ,
तूफान से कश्ती का लड़ना
बहुत ज़रूरी और ज़रूरी था,
तमाशा मौत का हर पल हर घड़ी
होता ही रहता है और रहेगा,
हम को तो मगर आंखों में तेरी ही
डूब कर मारना बहुत ज़रूरी था,
दास्ताने मुहब्बत इस क़लम से
मुश्ताक़ बयां क्यों कर होती,
लहू आंखों से बन कर अश्क,
दामन पर गिरना बहुत ज़रूरी था,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

अब राखो लाज हरी

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी 2025: वे बड़े उत्साही हैं। ईश्वर ने उनमें उत्साह कूट कूट कर भरा और भेज दिया जमीन पर। चाहे हो कोई भी अवसर वे हमेशा रेडीमेड तैयार मिलेंगे। किसी का भी काम हो खुद करने में विश्वास रखते हैं। उन्हें उद्घाटन का, फोटो खिंचवाने का और छायाचित्रों के माध्यम से समाचारपत्रों पर पसर जाने का बड़ा शौक है। जब कभी आशा से कम चित्र छपते हैं तो वे खंभा नोचते हैं, तिलमिलाते हैं, भुनभुनाते हैं।

अपने विरोधियों से वे दांत काटी दुश्मनी निभाते हैं। अगर दिन को उनके विरोधी दिन कहते हैं तो वे उसका भी विरोध करते हुए साबित करने की नाकाम कोशिश करते हैं कि यह रात है। जब कभी उनसे कोई बात मनवानी हो तो विरोधी उसके विपरीत बोलकर इन्हें लपेटे में ले लेते हैं। इनमें वैसे कमियों की कमी नहीं है फिर भी उन कमियों को यह खूबी मानकर चलते हैं। इनके हर काम को महान साबित करते अंधानुयायी साथी हैं, चरणभाटों सा भजन और तारीफों के कसीदे पढ़ते भक्त हैं। बिरुदावली लिखते पत्रकार हैं। मतलब सारा इंतजाम किया कराया रेडीमेड है।

इनका शगल है गरीबों को गरीब रखना लेकिन अमीरों को दोस्त बनाकर और अमीर बनाना। जिंदगी में बहुत सी दबी इच्छाएं रहीं जो अब ये पूरी कर रहे हैं। अभावों को त्याग पूरा भाव पा रहे हैं। कुछ इच्छाएं अधूरी की अधूरी ही रह गईं, उनके बारे में चर्चा करना यहां मुनासिब नहीं, वरना यहां भी सेंसर लग जाएगा। किसी और के किए गए कामों को अपना बताना भी इन्हें भाता है। किसी और की संतान को अपना कह सकने की हिम्मत रखते हैं।

यही नहीं उन्हें पुरानी चीजें हटा नई चीजें देखने का भी शौक है। भले ही वे पुराने हों, किसी की मेहनत हो, किसी का अपना इतिहास हो, इन्हें सारा कुछ बदलने में इतनी खुशी मिलती है जितनी खुजली वाले बंदे को खुजाते हुए मिलती है। जुगाड़ ऐसा कि बस सामने वाला मुंह टापता रह जाए। अपने पहले वालों की तरह बनते लेकिन न उनकी तरह का ज्ञान विज्ञान है, न हिम्मत है, न सादगी है, न उच्च शिक्षा और अध्ययन है, न बिना देखे धारा प्रवाह बोलने की क्षमता है और न विश्लेषणात्मक सोच ही है। कुछ न हो सका पूर्वजों की तरह। सो पुरानी चीजों पर से धूल झाड़कर नाम बदलकर नया दिखाने की नाकाम कोशिश करते हैं। अब राखो लाज हरी।

डॉ टी महादेव राव

विचारक्रांति गौरव सम्मान 2025 सम्मान संजय वर्मा दृष्टि को

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी 2025: विचारक्रांति साहित्य परिषद सिंगरौली मप्र जो कि भारत सरकार की पंजीकृत संस्था है। जीवन पर्यन्त साहित्य सेवा के निरंतर कार्य करने हेतु, साहित्य के क्षेत्र में सराहनीय कार्य जो कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा के सहयोग के तहत फेसबुक पर आयोजित विचारक्रांति कविता लेखन प्रतियोगिता में सहभागिता कर साहित्य जीवन के विचारों व अनुभवों को मंच पर कर मंच का मान बढाया को देखते हुए मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को विचारक्रांति सर्वहितकारी मंच के संयोजक राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति द्वारा विचारक्रांति गौरव सम्मान 2025 के सम्मान सम्मानित किया जाकर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि संजय वर्मा "दृष्टि" की रचना देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होती है। अबतक 626 सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड में शामिल है। स्टार बुक ऑफ रिकार्ड में भी शामिल है।

धरा का अस्तित्व

प्राकृतिक सुंदरता से भरी है हमारी धरा,
मगर क्यों लगती है? यह अधूरा- अधूरा।
पहाड़ ,नदियां, झरने झर झर झरते ,
मनुष्य ने दुरुपयोग करके लुप्त होने को किया मजबूर।
वह चिड़िया की चहचहाट,
पक्षियों की मधुर बोली
धरा को करती अलबेली।
धीरे-धीरे सब कुछ सिमट रहा है ।
यह धरा है जिसका विशाल हृदय है ,
जिसमें सबके लिए जगह है।
धरा जीवन का चक्र समझाती है ,
निरंतर कैसे चलते जाना यह बतलाती है।
पाकर कुछ खोना है, खोकर कुछ पाना है यह पाठ हमें सिखाती है।
धरा जब सुख जाती है ,मेघ बरस कर हरसाती है।
धरा के श्रृंगार को गर बचाना है ,
अपने धर्म को निभाना है।
स्वार्थ में ना हो जाओ तुम अंधे,
अब तो जाग जाओ बंदे।

रिंकी कुमारी
कोलकाता
कोलफील्ड मिरर

अमेरिकी राष्ट्रपति का टैरिफ, अवैध प्रवासियों को हटाने की कार्रवाई के बाद अब रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने पर फोकस

रूस यूक्रेन शांति वार्ता सऊदी अरब के रियाद में शुरू-वार्ता में ईयू व यूक्रेन शामिल नहीं होने से हड़कंप-भारत को क्या फायदा होगा?

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तर पर जैसा कि कयास लगाए जा रहे थे कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद दुनिया बदलने की और अग्रसर होगी, क्योंकि उन्होंने अपने चुनावी प्रचार अभियान में बहुत सारे वादे किए थे जिन्हें वह क्रमवार पूरे करते जा रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने अब 18 फरवरी 2025 को सऊदी अरब के रियाद में बैठक रखी है जिसमें रूस अमेरिका के विदेश मंत्री शामिल हुए हैँ। यूक्रेन व यूरोपीय संघ को इस बैठक से अलग रखा गया है, जिससे हड़कंप मचा हुआ है, अनेक ईयू सदस्य देश अलग-अलग राग अलाप रहे हैं। बता दें रूस और यूक्रेन के बीच लगभग तीन सालों से चल रहा युद्ध अब समाप्त हो सकता है। दोनों देशों के बीच शांति समझौते के लिए अमेरिका और रूस सऊदी अरब में बैठक चल रही है। सुलह की संभावना के बीच सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगातार चौथे दिन गिरावट देखी गई है। रूस-यूक्रेन शांति समझौते से रूस पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी और इसकी संभावना भर से ही तेल की कीमतें नीचे जा रही हैं। ट्रंप ने दुनियाँ के देशों पर जो टैरिफ लगाया है, उससे भी आर्थिक विकास धीमा होने और ऊर्जा का मांग कम होने की आशंका है।तेल की कीमतों पर इन चिंताओं का भी असर देखने को मिल रहा हैँ। लगातार गिर रहा हैँ। वैश्विक क्रूड ट्रेडमार्क ब्रेंट रूस-यूक्रेन को बीच शांति से भारत को क्या होगा फायदा? भारत दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और अपनी 85 प्रतिशत से अधिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौते से भारत को बहुत फायदा मिलने वाला है, क्योंकि रूस भारत का शीर्ष कच्चा तेल सप्लायर है। एक जानकारी के मुताबिक, दिसंबर 2024 में भारत के कुल कच्चा तेल आयात में रूसी तेल का हिस्सा 31 पेर्सेंट था, वहीं, नवंबर 2024 में यह 36 पेर्सेंट था। रूसी तेल पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को रूस से साथ तेल व्यापार में दिक्कतें आ रही हैं।एक दिक्कत खरीदे गए तेल के भुगतान का भी है, लेकिन अगर रूस पर लगे प्रतिबंध हटते हैं तो भारत को फायदा होगा।भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था तेल आधारित है जिसपर तेल की कीमतों में गिरावट और उछाल का भारी असर देखने को मिलता है।अगर तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में महंगाई बढ़ जाती है और अगर घटती हैं तो महंगाई में भी नरमी देखने को मिलती है। तेल जब सस्ता होता है तो पेट्रोल-डीजल का दाम भी गिरता है जिससे वस्तुओं के परिवहन की लागत कम होती है। परिवहन लागत कम होने से वस्तुओं के दाम में भी कमी देखने को मिलती है और महंगाई दर कम है। चूँकि अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ, अवैध प्रवासियों को हटाने की कार्रवाई के बाद अब रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने पर फोकस कर रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,रूस यूक्रेन शांति वार्ता सऊदी अरब के रियाद में शुरू हैँ। वार्ता में यूरोपियन संघ व यूक्रेन शामिल नहीं होने से हड़कंप, शांति

समझौते से भारत को क्या फायदा होगा?

साथियों बात अगर हम अमेरिकी राष्ट्रपति के रूस यूक्रेन युद्ध रोकने के फैसले पर संशय को पांच पॉइंट में समझने की करें तो, एक रिपोर्ट के अनुसार, माना जा रहा है कि इस बात की ज्यादा संभावना है कि ट्रंप साल के आखिरी तक रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रुकवा सकते हैं, न कि ईस्टर तक। खैर हमें ये भी समझना होगा कि इस युद्ध को रोकना इतना भी आसान नहीं है, जितना ट्रंप समझ रहे हैं, क्योंकि एक तरफ ट्रंप और पुतिन तो सीजाफायर के लिए हामी भर रहे हैं, लेकिन यूक्रेन और यूरोप इसमें अगर-मगर कर रहे हैं, ऐसे में इस खबर में 5 प्वॉइंट्स में समझेंगे कि इस युद्ध खत्म होने में अभी और कितने दिन लगेंगे? (1) रूस-यूक्रेन का युद्ध रोकना इतना आसान इसलिए भी नहीं है, क्योंकि यूक्रेन की बैकिंग करने वाले कई देश हैं, जो यूक्रेन को बैक सपोर्ट दे रहे हैं. इसमें सबसे बड़ा नाम ब्रिटेन केपीएम कीर स्टार्मर हैं, हाल ही में स्टार्मर ने कहा है कि वो यूक्रेन के लिए अपनी सेना भेजने को तैयार हैं। स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को बढ़चढ़ समर्थन करता रहेगा। (2) इन्हीं बैकिंग के कारण अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि वो अमेरिका के कहने पर पुतिन से शांति वार्ता के लिए तभी मिलेंगे जब अमेरिका और यूरोपीय नेताओं में एक साझा योजना पर सहमति बन जाएगी।(3) वहीं, जेलेंस्की की दूसरी शर्त है कि कि यूक्रेन नाटो में रहना चाहता है और वह रूस के कब्जा किए गए क्षेत्रों को मान्यता नहीं देगा, जब अमेरिका जेलेंस्की की इन शर्तों को मानेगा तभी वो शांति समझौते के लिए तैयार होंगे। (4) एक तरफ अमेरिका यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को खत्म करने की कोशिश में जुटा है,मगर उसके इस कदम से यूरोप में कुछ ठीक नहीं चल रहा है,इस स्टार्मर ने कहा है कि वह सोमवार को इस मुद्दे पर पेरिस में आयोजित एक शीर्ष बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद ही कोई यूक्रेन कोई फैसला लेगा,इससे साफ समझा जा सकता है कि 20 तक इस युद्ध को रोकना मुमकिन नहीं है। इस बैठक में जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, इटली, पोलैंड, स्पेन और डेनमार्क के शीर्ष नेता एक मीटिंग में हिस्सा ले सकते हैं। (5) इतना ही नहीं, इस युद्ध को ना रोकने के लिए जेलेंस्की को ताकत देने वाले नाटो का भी कम रोल नहीं है. दरअसल,नाटोयूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए बार-बार कह रहा है, लेकिन उसको शामिल नहीं कर रहा है, साथ ही, वो बराबर सैन्य शक्ति भी दे रहा है, ऐसे में माना जा रहा है कि 20 फरवरी यानी ईस्टर डे तक ये समझौता करना काफी मुश्किल है।

साथयों बात अगर हम युद्ध विराम या समाप्ति की संभावना से कच्चे तेलों की कीमतों में भारी गिरावट वह उसे भारत को फायदे की करें तो, रूस और यूक्रेन के बीच लगभग तीन सालों से चल रहा युद्ध अब समाप्त हो सकता है, दोनों देशों के बीच शांति समझौते के लिए अमेरिका और रूस सऊदी अरब में मिलने वाले हैं।सुलह की संभावना के बीच सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगातार चौथे दिन गिरावट देखी गई है,रूस-यूक्रेन शांति समझौते से रूस पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी और इसकी संभावना भर से ही तेल की कीमतें नीचे जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के देशों पर जो टैरिफ लगाया है, उससे भी आर्थिक विकास धीमा होने और ऊर्जा का मांग कम होने की आशंका है। तेल की कीमतों पर इन चिंताओं का भी असर देखने को मिल रहा है,लगातार गिर रहा वैश्विक क्रूड ट्रेडमार्क ब्रेंट,वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड सोमवार को 20 सेंट या 0.2 पेर्सेंट गिरकर 74.59 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के अधिकारियों ने यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए रूस के साथ बातचीत शुरू कर दी है और उसके बाद से ही ब्रेंट क्रूड की कीमतों में चार सत्रों 3.1 पेर्सेंट की गिरावट आई है, वहीं, अमेरिका का वेस्ट टेक्सास क्रूड सोमवार को 23 सेंट या 0.3 पेर्सेंट की गिरावट के साथ 70.51 डॉलर प्रति बैरल पर था. पिछले चार सत्रों में डब्लू टीआई में 3.8 पेर्सेंट की गिरावट आई है और सोमवार को यह 70.12 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गया. 30 दिसंबर के बाद डब्लूटीआई में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने रविवार को कहा कि वो यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने पर चर्चा करने के लिए बहुत जल्द रूसी राष्ट्रपति से मिल सकते हैं,उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब अमेरिका और रूस आने वाले दिनों में सऊदी अरब में मिलकर युद्ध समाप्त करने पर चर्चा करने वाले हैं। 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू करने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे जिसमें उसके तेल निर्यात पर चोट करना भी शामिल था।रूसी तेल पर प्रतिबंध से समुद्र के जरिए रूस की तेल सप्लाई बहुत कम हो गई, शांति समझौते से रूसी तेल पर लगे प्रतिबंध हटेंगे जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ावा मिल सकता है।

साथियों बात अगर हम शांति प्रक्रिया बैठक में यूक्रेन व यूरोपीय संघ के सदस्यों को नहीं बुलाने पर नाराजी की करें तो, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यूक्रेन की भागीदारी के बिना, किसी भी वार्ता के परिणाम उनके लिए अस्वीकार्य होंगे। उन्होंने साफ किया है कि अगर कीव को इस वार्ता में शामिल नहीं किया गया तो वार्ता व्यर्थ ही जाएगी। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत कीथ केलॉग सुरक्षा गारंटी संबंधी चर्चा के लिए कीव आएंगे।बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ रूसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे, रूसी प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव शामिल होंगे। यूक्रेन को इस वार्ता में शामिल नहीं किया गया है, जो कि अमेरिकी नीति में बदलाव का संकेत है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि रूस यूक्रेन शांति वार्ता सऊदी अरब के रियाद में शुरू- वार्ता में ईयू व यूक्रेन शामिल नहीं होने से हड़कंप-भारत को क्या फायदा होगा? अमेरिकी राष्ट्रपति का टैरिफ, अवैध प्रवासियों को हटाने की कार्रवाई के बाद अब रूस यूक्रेन युद्ध रुकवाने पर फोकस। भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था तेल आधारित है, शांति समझौते से रूस पर लगे प्रतिबंध हटेंगे तो भारत को बहुत फायदा होगा।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

राजघाट से राष्ट्रघाट तक: गांधी विचारधारा का प्रवाह

बड़वानी का सर्वोदय मेला: जहाँ अतीत वर्तमान से संवाद करता है

कोलफील्ड मिरर 20 फरवरी 2025: मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में 12 फ़रवरी की सुबह जब सूरज चमकता है, तब नर्मदा के तट पर एक ऐतिहासिक आयोजन जीवंत हो उठता है—सर्वोदय मेला। यह मेला न केवल महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी और महादेव देसाई की अस्थियों के विसर्जन की स्मृति को संजोता है, बल्कि गांधीवादी विचारों को पुनर्जीवित करने का एक सशक्त माध्यम भी है। सत्य, अहिंसा और सर्वोदय के सिद्धांतों को प्रज्वलित करते हुए, यह आयोजन हमें गांधीजी के अमर विचारों की ओर पुनः आकर्षित करता है।

महात्मा गांधी का देश के दिल मध्यप्रदेश से गहरा लगाव था। दिल्ली के बाद, उनकी, कस्तूरबा गांधी सहित उनके निजी सचिव, नर्मदा पार जुड़े टवलई के स्वतंत्रता सेनानी महादेव भाई देसाई की अस्थियां नर्मदा के पवित्र तट पर लाई गई थीं। दिल्ली के राजघाट के बाद गांधीजी का दूसरा समाधि स्थल यहीं स्थित है। उनकी अंतिम इच्छा थी कि उनकी अस्थियां भारत की प्रमुख नदियों में प्रवाहित की जाएँ, ताकि उनके विचार और दर्शन देश के कोने-कोने तक पहुँच सकें। बड़वानी के अलावा जबलपुर के तिलवारा घाट, कोटा के चंबल नदी तट, गुजरात के सतियारा घाट, ताप्ती नदी और अरब सागर सहित विभिन्न स्थानों पर भी उनकी अस्थियां विसर्जित की गईं। इस श्रद्धांजलि ने गांधीजी के विचारों को व्यापक आयाम दिया और उनके सिद्धांतों को जनमानस तक पहुँचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नर्मदा नदी के किनारे बसा कुकरा गांव, बड़वानी देश का ऐसा इकलौता स्थान है, जहाँ तीन महान हस्तियों—महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी और महादेव भाई देसाई—की अस्थियां एक साथ संचित हैं। जनवरी 1965 में गांधीवादी काशीनाथ त्रिवेदी ने इनकी अस्थियां यहाँ लाकर नर्मदा किनारे इस ऐतिहासिक समाधि की नींव रखी थी, जो 12 फरवरी 1965 को बनकर तैयार हुआ था, जिसे राजघाट नाम दिया गया था। हालांकि, 27 जुलाई 2017 को सरदार सरोवर बाँध के डूब की जद में के कारण, इन अस्थियों को कुकरा बसाहट में पुनर्स्थापित किया गया।बापू की अस्थियां देश में कई स्थानों पर संचित हैं, वहीं कस्तूरबा गांधी और महादेव देसाई की अस्थियां पुणे के आगा खान महल में दो अलग-अलग समाधियों में संरक्षित हैं। परंतु, बा, बापू और उनके अनन्य सेवक महादेव भाई देसाई की अस्थियां एक साथ केवल बड़वानी के राजघाट में ही संचित हैं।

सर्वोदय मेला केवल एक वार्षिक उत्सव नहीं, बल्कि गांधीवादी जीवन-दर्शन का एक जीवंत मंच है। यह सत्य, अहिंसा, सर्वोदय, स्वराज और ग्राम स्वराज के मूल्यों को सशक्त बनाता है। मेले का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना से होता है, जो धार्मिक सद्भाव और विश्व शांति का संदेश देती है। इसमें गांधीवादी विचारकों, समाजसेवियों और विद्वानों के बीच गहन विचार-विमर्श होता है, जहाँ उनके सिद्धांतों पर व्यापक चर्चा की जाती है।

12 फ़रवरी को शासकीय अवकाश के साथ बड़वानी तहसील में यह मेला आयोजित किया जाता है। श्रद्धांजलि अर्पित

करने हेतु लोग समाधि स्थल पर एकत्र होते हैं और गांधीजी को नमन करते हैं। विभिन्न प्रदर्शनियों के माध्यम से गांधीजी के जीवन संघर्ष, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान, ग्रामोद्योग, स्वदेशी आंदोलन और सत्याग्रह जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। स्थानीय कलाकार नाटकों, संगीत और नृत्य के माध्यम से गांधीजी के जीवन को सजीव रूप में प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी शिक्षाएँ जन-जन के हृदय तक पहुँचती हैं।

स्थानीय कलाकार नाटकों, संगीत और नृत्य के माध्यम से गांधीजी के जीवन को सजीव रूप में प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी शिक्षाएँ जन-जन के हृदय तक पहुँचती हैं। इसके साथ ही, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और स्वास्थ्य शिविर जैसी गतिविधियाँ न केवल गांधीवादी विचारधारा को सशक्त करती हैं, बल्कि स्वच्छ भारत और सर्वजन हिताय के उच्चतम आदर्शों को भी साकार करती हैं।

इसके साथ ही, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर जैसी गतिविधियाँ गांधीवादी विचारधारा को सशक्त करने के साथ-साथ स्वच्छ भारत और सर्वजन हिताय के उच्चतम आदर्शों को भी साकार करती हैं। सर्वोदय मेला केवल स्थानीय गौरव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांधीवादी विचारधारा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने का एक प्रमुख मंच है। यह मेला शोधार्थियों, समाजसेवियों और गांधी अनुयायियों को एक साथ लाकर उनके सिद्धांतों को आधुनिक संदर्भ में समझने और अपनाने का अवसर प्रदान करता है। बड़वानी का सर्वोदय मेला महात्मा गांधी की अमर विरासत को न केवल संजोता है, बल्कि समाज में नैतिकता, सामाजिकता और आध्यात्मिकता के मूल्यों को पुनर्जीवित करने का एक पवित्र प्रयास भी है।

प्रो. आर.के. जैन "अरिजीत"
बड़वानी (म.प्र.)